छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 190 ■ अम्बिकापुर, बुधवार 22 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

क्रिप्टो करेंसी में अधिक मुनाफा का पाठ पढ़ाते पुलिस की गिरफ्त में आये

पुलिस ने पांच आरोपितों के विरूद्ध जांच के बाद की वैधानिक कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। क्रिप्टो करेंसी में शेयर खरीदकर अधिक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर नकद रकम ऐंठने के मामले में मणिपुर थाना पुलिस ने 5 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके द्वारा ऑनलाइन क्रिप्टो वायलेट ऐप में शेयर खरीदने से ज्यादा मुनाफा दिलाने का लालच देकर 10 हजार रुपये ठगी की गई थी। मामले में अन्य आरोपी फरार हैं, जिनके तलाश में पुलिस लगी है। सरगुजा पुलिस ने ज्यादा मुनाफा के लालच एवं बहकावे में आकर भ्रामक एवं गलत ऐप के माध्यम से कहीं निवेश नहीं करने का आग्रह किया है।

जानकारी के मुताबिक, दरिमा थाना अंतर्गत ग्राम इन्दरपुर निवासी विद्याचरण राव ने मणीपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि गांव का त्रिपाल टोप्पो ऑनलाइन शेयर मार्केट में फायदा होने और स्वयं जुड़े होने की बात कहकर उसे झांसे में लिया। इसके बाद त्रिपाल के माध्यम से उदयपुर निवासी राजकुमार पैकरा से परिचय हुआ। राजकुमार बताया कि ऑनलाइन बिटगेट (एलजीएनएस) क्रिप्टो वायलेट ऐप है, जिसमें पैसा लगाने से अधिक रकम मिलता है। इनके बहकावे में आकर वह 19 जुलाई को होटल फिल आनन्दम में शेयर मार्केट के संबंध में ट्रेनिंग में गया। यहां कान्ता प्रसाद राजवाड़े द्वारा लैपटॉप एवं प्रोजेक्टर के माध्यम से अन्य 10-12 लोगों को क्रिप्टो वायलेट ऐप के शेयर मार्केट में पैसा बढ़ाने के बारे में बताया जा रहा था, जिसमें 12 लेवल में पहुंचने के बाद फ्री में पैसा मिलते रहने की जानकारी दी गई। इसके बाद होटल में ही राजकुमार पैकरा उससे 10 हजार रुपये नकद लिया और एक साल में एक लाख रुपये बढ़ने की बात कहा। रिपोर्ट पर थाना मणीपुर पुलिस ने धारा 318(4), 61(2), बी.एन.एस. का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया।

बिलासपुर में भी कई बार हुआ सेमिनार

विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने कान्ता प्रसाद पिता दिलु राम राजवाड़े 27 वर्ष निवासी सिंगीटाना थाना लखनपुर, राजकुमार पैकरा पिता स्व. अमीर साय 42 वर्ष निवासी पण्डरीडांड उदयपुर, जीवन साय टोप्पो पिता दिलराम टोप्पो 36 वर्ष निवासी महादेवटिकरा नवानगर थाना दरिमा, फिरोज लकड़ा पिता राम साय लकड़ा 35 वर्ष निवासी टपरकेला थाना दरिमा, मुकेश कुमार गुप्ता पिता बिनोद कुमार गुप्ता 46 वर्ष निवासी अम्बे कॉलोनी मकान नंबर बी-7 गांधीनगर को हिरासत में लिया और पूछताछ की तो इन्होंने बताया कि बिलासपुर के त्रिभुवन साहू गेम चेंजर एकेडमी बिलासपुर एवं रमाशंकर साहू के द्वारा क्रिप्टो बिटगेट वॉलेट में पैसा निवेश करने के संबंध में जानकारी दिया गया था, उनके साथ मिलकर वे बिलासपुर में भी कई बार सेमिनार किये हैं।

शेयर मार्केट में रकम निवेश का दावा

इन्होंने बताया कि क्रिप्टो करेंसी खरीदने के इच्छुक को वे अपने नीचे जोड़कर उसके मोबाइल में प्ले स्टोर के माध्यम से बिटगेट वॉलेट एप्लीकेशन डाउनलोड कर देते थे और संबंधित से नकद, फोन पे के माध्यम से 100, 200, 1000, 5000 रुपये लेने के बाद उक्त रकम के बदले में उतनी ही कीमत का क्रिप्टो करेंसी खरीदकर, न्यू वॉलेट के रिसिविंग एड्रेस पर टोकन ट्रांसफर कर देता है। इनके द्वारा बिनाका आईडी के माध्यम से रजिस्टर, केवाईसी वेरिफाई करके क्रिप्टो करेंसी से भारतीय मुद्रा आईएनआर से क्रिप्टो करेंसी में कन्वर्ट होने और क्वाइन को होल्ड करके रखने की जानकारी दी गई, जिसे जरूरत पड़ने पर संबंधित बेच सकता है या पैसा निकाल सकता है, जिसका कोई लॉकिन पीरियड नहीं है। इनके द्वारा रकम को क्रिप्टो करेंसी बिटगेट वॉलेट, एलजीएनएस शेयर मार्केट में निवेश करना बताया गया।

होटल में कर रहे थे सेमीनार

होटल फिल आनंदम में हुये सेमीनार में अन्य निवेशक भी आये थे, जिसमें नये निवेशक विद्याचरण व भारद्वाज गोरवामी सहित अन्य 5-7 लोग शामिल थे। पुलिस ने इनके पास से बैग सहित लैपटॉप, प्रोजेक्टर, स्पीकर, मोबाइल, 3 डायरी, 1 नोट बुक, 01 टी-शर्ट सहित अन्य सामान जप्त किया है। पुलिस ने प्रकरण में धारा 317(4) बी.एन.एस. जोड़कर आरोपियों को प्रकरण में गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि, छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों एवं देश के अन्य राज्यों में भी इसके प्रचार-प्रसार की सूचना आरोपियों से प्राप्त हुई है। ऐसे में नागरिकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

सीएसपी के नेतृत्व में कार्रवाई

कार्रवाई में नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर राहुल बंसल के नेतृत्व में थाना प्रभारी मणीपुर उप निरीक्षक सी.पी. तिवारी, सहायक उपनिरीक्षक अनिल पाण्डेय व राकेश मिश्रा, आरक्षक रामशंकर यादव, अनिल परिहार, अनिल सिंह, निरंजन बड़ा सक्रिय रहे।

सोनोग्राफी के लिये महिलाओं ने मचाया हंगामा

किसी ने 4 तो किसी ने 7 दिन से चक्कर काटने की बात कही

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल में सोनोग्राफी जांच के लिये आने वाले मरीजों को लम्बा इंतजार करना पड़ रहा है। कोई 4 दिन से तो कोई 7 दिन से भूखे-प्यासे सोनोग्राफी के लिये चक्कर काट रहा है। इन हालातों के बीच भड़की महिला का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह चार दिन से सोनोग्राफी के लिये अस्पताल आने की बात कहते नजर आ रही है। कई मोबाइल इनका वीडियो बनाने में लगे हैं। वहीं सोनोग्राफी कक्ष से कर्मचारी वीडियो नहीं बनाने और ऊंची आवाज में बात करने से मना करते नजर आ रहा है। इसमें 30 से ज्यादा मरीजों का एक दिन में सोनोग्राफी नहीं होगा, भी सुनने को मिल रहा है।

वायरल वीडियो में जहां एक ओर मरीजों की रोज-रोज सोनोग्राफी जांच के लिये सफर करने की पीड़ा उजागर हो रही है, वहीं सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक इंतजार करने के बाद भी सोनोग्राफी जांच नहीं हो पाने का मलाल इनमें देखने को मिल रहा है। हालांकि मरीजों को असुविधा न हो, इसके लिये रोजाना 30 पर्ची जांच के लिये सुबह 9 बजे ही ले लिया जाता है। इसके बाद बाहर या दूर-दराज के इलाके से आने वाले मरीजों को आने में विलम्ब हो जाता है, और इनकी जांच पर्ची को स्वीकार नहीं करने से विवाद की स्थिति बनती है। इन सबके बीच जिस प्रकार सप्ताह भर से मरीजों को जांच के लिये दौड़ लगाना पड़ रहा है, इससे सोचनीय स्थिति बन रही है। सोनोग्राफी जांच कक्ष के बाहर जांच के लिये लगी भीड़ के बीच से महिला के द्वारा सामने लाई जा रही पीड़ा के बीच एक आवाज सुनने को मिल रही है, 30 से ज्यादा मरीज नहीं देखेंगे, साथ ही अन्य बातें कही जा रही हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण रेडियोलॉजिस्ट की कमी भी है। अस्पताल में सोनोग्राफी के अलावा सीटी स्कैन, एमआरआई की भी सुविधा दी जा रही है, यहां भी रेडियोलॉजिस्ट का रहना जरूरी है, ताकि गंभीर मरीजों का रिपोर्ट समय पर साझा किया जा सके।

सोनोग्राफी के लिए 24 घंटे व्यवस्था जरूरी

मेडिकल कॉलेज संबद्ध अस्पताल के ओपीडी में रोजाना करीब 700 से 800 मरीज पहुंचते हैं, कभी-कभी यह संख्या कम और बढ़ भी जाती है, वहीं लगभग 100 मरीज भर्ती होते हैं। बताया जा रहा है कि, सोनोग्राफी जांच के लिये यहां सुबह 9 बजे तक 30 मरीजों की पर्ची ले ली जाती है, इसके बाद आने वाले मरीजों को उल्टे पांव वापस लौटना पड़ता है। इन्हें आवश्यक सुझाव देकर अगले दिन समय पर आने के लिये कहा जाता है। इन परिस्थितियों के बीच सोनोग्राफी जांच के लिये महिला के द्वारा 4 से 7 दिन चक्कर काटने और जांच के लिये नम्बर नहीं मिलने की बात कही जा रही है। साधन, संपन्न लोग तो यहां की भीड़ को देखकर निजी जांच सेंटरों की ओर रूख कर लेते हैं, लेकिन सामान्य लोग क्या करे? वीडियो वायरल होने के बाद लोग पूछ रहे हैं सरकारी अस्पताल में एक दिन में 30 के जांच का कोटा आखिर किसने निर्धारित किया है? सच्चाई यह है कि चिकित्सकों की कमी के कारण ऐसे हालात बन रहे हैं। मरीजों की मांग की है कि सोनोग्राफी के लिए 24 घंटे व्यवस्था सुनिश्चित की जाये, और चिकित्सक, स्टाफ बढ़ाया जाए।

सोनोग्राफी जांच के लिये 4 दिन से आने का मामला संज्ञान में आया है। मरीजों को हो रही दिक्कत को देखते हुये एक और मशीन स्टॉल कराने की जरूरत महसूस की जा रही है। वर्तमान में लेबर वार्ड और मेन ओपीडी में सोनोग्राफी जांच की सुविधा दी गई है। दोनों जगह ही रेडियोलॉजिस्ट चिकित्सक को अपनी सेवाएं देनी पड़ती है। सोनोग्राफी जांच के लिये लोगों को दिक्कत न हो, इसके लिये पहल की जायेगी। वर्तमान में एक पोर्टेबल जांच मशीन के अलावा दो सोनोग्राफी मशीन अस्पताल में उपलब्ध हैं।

डॉ. आर.सी. आर्या
अस्पताल अधीक्षक

गौ हत्या का आरोप, ग्रामीणों ने 3 लोगों पर जताया शक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। ग्राम पंचायत कुनिया में 17 जुलाई की शाम लगभग 7 बजे एक गाय की कथित हत्या का मामला सामने आने से क्षेत्र में आक्रोश है। ग्रामीणों ने थाना प्रभारी कमलेश्वरपुर को लिखित शिकायत सौंपकर घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है। शिकायत के अनुसार 19 जुलाई को ग्रामीणों को घटना की सूचना मिली थी। ग्रामीणों ने तीन लोगों पर गौ हत्या का संदेह जताया है।

ग्रामीणों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई होना जरूरी है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों और क्षेत्र में कानून व्यवस्था व सामाजिक सौहार्द्र बना रहे। ग्रामीणों का कहना है कि, थाना कमलेश्वरपुर पुलिस शिकायत प्राप्त करने के बाद अभी तक जांच शुरू नहीं की है। मामले में जांच करके कठोकर कार्रवाई करने की मांग ग्रामीण कर रहे हैं।

आईजी ने डॉयल 112 आपातकालीन सेवा की अद्यतन स्थिति को जाना

रिस्पांस टाइम बेहतर करने ड्यूटी में नशा और मिसयूज पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आधुनिक सुरक्षा तकनीक, सीसीटीवी कैमरे से लैस आपातकालीन सेवा डॉयल 112 वाहनों के कार्यप्रणाली के साथ-साथ उनके रिस्पांस टाईम संबंधी विषयों की अद्यतन स्थिति के बारे में पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा ने रेंज के सभी नोडल अधिकारियों व डिस्ट्रिक्ट कोऑडिनेशन सेंटर के कर्मचारी सहित ड्यूटी में तैनात जवान व वाहन चालकों से वीसी के माध्यम से जानकारी ली।

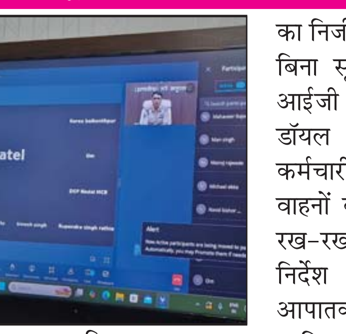

आईजी ने कहा कि आपातकालीन सूचना मिलते ही रिस्पांस टाइम की महत्ता को समझते हुए तत्परता से घटना स्थल पहुंचकर जनसेवा की भावना से लोगों की सहायता करें। डॉयल 112 वर्तमान में पुलिस की त्वरित कार्रवाई का मुख्य अंग बन चुका है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से कहा कि जो भी इस आपातकालीन सेवा वाहन कर्मचारी हैं, विशेषकर ड्यूटी में तैनात कर्मचारी सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन जन सेवा की भावना के साथ तत्परता से करें और आम नागरिकों के बीच अपनी अच्छी छवि बनाएं।

उन्होंने सरगुजा रेंज के दो सफल रेस्क्यू का उदाहरण देते हुए कहा कि, बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में एनीकट में डूब रहे युवक को स्थानीय लोगों और डॉयल 112 स्टाफ की तत्परता से बचाया गया। जशपुर जिला के लोरो घाटी में अनियंत्रित वाहन रेलिंग तोड़कर दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। डॉयल 112 की टीम ने कटर मशीन से केबिन काटकर चालक, मालिक और हेल्पर तीनों को सुरक्षित बाहर निकाला। आईजी ने कहा कि डॉयल 112 वाहनों का निजी कार्य में उपयोग न हो, बिना सूचना मिसयूज न हो। आईजी ने आपातकालीन सेवा डॉयल 112 वाहन में कार्यरत कर्मचारी, वाहन चालकों से वाहनों के बेहतर परिचालन व रख-रखाव संबंधी विषयों पर निर्देश दिए और कहा कि आपातकालीन वाहन का व्यक्तिगत किसी निजी कार्य में उपयोग नहीं किया जाए। बिना किसी आपातकालीन सूचना के इस वाहन का मिसयूज नहीं होना चाहिये। आपातकालीन सेवा में तैनात कोई भी कर्मचारी नशे का सेवन न करे, जिससे कोई अप्रिय स्थिति निर्मित हो। ऐसा कृत्य कार्य करने व जनता के बीच अनुसाशनहीनता परिलक्षित पाये जाने पर संबंधित कर्मचारियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई होगी।

सरगुजा रेड क्रॉस को मिला राज्यस्तरीय सम्मान

ऑर्गन डोनेशन समिति के लिये 4 प्रतिनिधि मनोनीत, इनमें 3 महिलाएं शामिल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा द्वारा गठित 15 सदस्यीय राज्य स्तरीय ऑर्गन डोनेशन समिति में सरगुजा जिले के 4 आजीवन सदस्यों को महत्वपूर्ण दायित्व मिला है। आकांक्षा श्रीवास्तव को वाइस चेयरमैन, अंजुला गौतम मिश्रा, संध्या सिंह एवं आर्यन सिन्हा को राज्य स्तरीय सदस्य नामित किया गया है। विशेष बात यह है कि 4 में से 3 पदों पर महिलाएं हैं।

यह उपलब्धि रेड क्रॉस जिला शाखा के चेयरमैन अदित्येश्वर शरण सिंह देव के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'रक्तदान महादान-अंगदान जीवनदान' अभियान का परिणाम है। रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय ऑर्गन डोनेशन समिति की प्रथम बैठक में इन विषयों को सरगुजा के प्रतिनिधियों द्वारा प्रमुखता से प्रस्तुत किया, जिस पर विस्तृत विचार-विमर्श उपरांत समिति ने सर्वसम्मति से महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया। बैठक उपरांत भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, छत्तीसगढ़ राज्य शाखा के चेयरमैन तोमन साहू के नेतृत्व में समिति के प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम रमेन डेका, राज्यपाल, छत्तीसगढ़ एवं अध्यक्ष भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी से राजभवन में शिष्टाचार भेंट करके उन्हें मांग-पत्र सौंपा। मांग में अंगदान-देहदान करने वालों को मरणोपरांत 'गार्ड ऑफ ऑनर', 13 अगस्त विश्व अंगदान दिवस पर राज्य स्तरीय सम्मान समारोह जैसे प्रस्ताव शामिल हैं। राज्यपाल ने प्रस्तावों की सराहना करते हुये सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। चेयरमैन अदितेश्वर शरण सिंह देव ने कहा कि यह सम्मान सरगुजा के पूरे रेड क्रॉस परिवार और रक्तदाताओं की वर्षों की निष्ठा का सम्मान है।

बाकी डैम से तकिया फिल्टर प्लांट तक 9.20 करोड़ की लागत से बनेगी ग्रेविटी पाइपलाइन

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजनांतर्गत शहर में पानी सप्लाई की समस्या होगी दूर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहरवासियों के लिए खुशखबरी है,

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजनांतर्गत लगभग 9 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से 'बांकी जलाशय से तकिया फिल्टर प्लांट तक' ग्रेविटी पाइपलाइन बिछाई जाएगी। जल प्रदाय विभाग के प्रभारी सदस्य जितेन्द्र सोनी ने इस स्वीकृति के लिए उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव, अंबिकापुर विधायक एवं कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल, महापौर मंजूषा भगत एवं सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि अभी तक बारिश के दिनों में नदी के माध्यम से गंदा पानी प्लांट तक पहुंचता था, जिससे फिल्टर और ट्रीटमेंट में भारी परेशानी होती थी और जल सप्लाई बाधित हो जाती थी। नई पाइपलाइन बनने से बाकी डैम का पानी बिना अवरोध सीधे फिल्टर प्लांट तक पहुंचेगा। इससे शहर की जल सप्लाई की सबसे बड़ी समस्या का समाधान होगा और आम जनता को स्वच्छ पेयजल की राहत मिलेगी। कार्य की स्वीकृति के बाद निविदा भी जारी कर दी गई है।

अंबिकापुर रेल्वे स्टेशन से गुम नाबालिग गंझाडांड में मिला, आरपीएफ को सुपुर्द किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा पुलिस ने संवेदनशीलता दिखाते हुए रेल्वे स्टेशन अंबिकापुर से गुम हुए नाबालिग बालक को बरामद कर लिया है। बच्चे के ग्राम गंझाडांड में लावारिस हालत में मिलने पर चौकी रघुनाथपुर लाया गया, यहां से उसकी पहचान कर आरपीएफ अंबिकापुर को सुपुर्द किया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थी ने 15 जुलाई को थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि रेल्वे स्टेशन अंबिकापुर से उसके नाबालिग बालक को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाया गया है। वह अपने स्तर पर बच्चे को काफी तलाशा लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। मामले में थाना गांधीनगर में धारा 137(2) बी.एन.एस. के तहत शून्य में अपराध पंजीबद्ध किया गया।

मामले को गंभीरता से लेते हुए डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल ने समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को गुम नाबालिग की तत्काल पता तलाश कर बरामद करने के निर्देश दिए थे। इसी दौरान ग्राम गंझाडांड, थाना कोतवाली निवासी एक ग्रामीण को बच्चा लावारिस हालत में मिला। ग्रामीण ने बच्चे को अपने पास रखकर इसके स्वजन का पता किया। जानकारी नहीं मिलने पर उसे सुरक्षित रखकर अन्य ग्रामीणों के साथ चौकी रघुनाथपुर लाकर सौंप दिया था। बरामद नाबालिग का मिलान रेल्वे स्टेशन अंबिकापुर से गुम हुए बालक से किया गया। आरपीएफ टीम अंबिकापुर ने बच्चे की पहचान की। इसके बाद नाबालिग को आरपीएफ टीम के सुपुर्द कर दिया गया। प्रकरण में थाना गांधीनगर द्वारा दर्ज 0 अपराध की डायरी अग्रिम विवेचना हेतु आरपीएफ बिलासपुर को भेजी गई है।

पढ़ाई से बचने घर में छिपा था बालक-दूसरे मामले में थाना गांधीनगर अंतर्गत एमजी रोड निवासी एक व्यक्ति ने सूचना दी कि, उसका नाबालिग बालक 20 जुलाई की रात 8 बजे अचानक घर से चले गया है। पुलिस टीम ने तत्काल तलाश कर नाबालिग को सूचक के घर से ही बरामद कर स्वजन के सुपुर्द किया। पूछताछ में बालक ने पढ़ाई से बचने के लिए घर में छुपकर रहने की बात बताई। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, आरपीएफ प्रभारी अंबिकापुर निरीक्षक सुनीता मिंज, चौकी प्रभारी रघुनाथपुर उप निरीक्षक आर.एन. पटेल, प्रधान आरक्षक कंट्रोल रूम गणेश कदम, आरक्षक उमेश खुटिया सक्रिय रहे।

जिले में अब तक 391.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

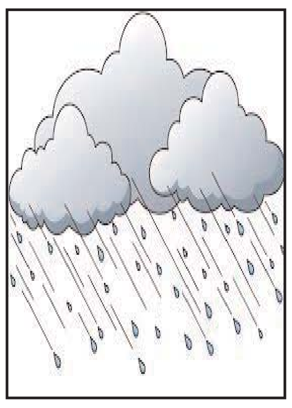

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कार्यालय भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में 01 जून 2026 से अब तक 391.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। प्रतिवेदित दिनांक को तहसील बलरामपुर में 40 मि.मी., डौरा-कोचली में 65 मि.मी., कुसमी में 8 मि.मी, सामरी में 3.3 मि.मी., चांदो में 2.0 मि.मी., शंकरगढ़ में 12.2 मि.मी., रामानुजगंज में 51.4 मि.मी., रामचंद्रपुर में 72.3 मि.मी., राजपुर में 9.2 मि.मी., वाड्रफनगर में 60.6 मि.मी., रघुनाथनगर में 43.6 मि.मी. तथा चलगली में 9.4 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। इस प्रकार बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में प्रतिवेदित तिथि को कुल 377 मि.मी. वर्षा हुई है।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में 01 जून से अब तक तहसील बलरामपुर में 427.9 मि.मी., डौरा-कोचली में 416.9 मि.मी., कुसमी में 1106.5 मि.मी., सामरी में 376.7 मि.मी., चांदो में 315 मि.मी. शंकरगढ़ में 396 मि.मी., रामानुजगंज में 358.1 मि.मी., रामचंद्रपुर में 343.6 मि.मी., राजपुर में 179.4 मि.मी., वाड्रफनगर में 299 मि.मी., रघुनाथनगर में 215.5 मि.मी. एवं चलगली में 266.8 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

मूसलाधार बारिश में एफसीआई की बाउंड्री वाल गिरी, आधा दर्जन मकान क्षतिग्रस्त

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। मूसलाधार बारिश में बीती रात करीब डेढ़ बजे बिश्रामपुर रेलवे स्टेशन के समीप स्थित भारतीय खाद्य निगम की बाउंड्रीवाल का बड़ा हिस्सा भर भराकर जमींदोज हो गया। इस घटना में भारी भरकम बाउंड्री वाल की चपेट में आकर दीवार के समीप स्थित आधा दर्जन मकान क्षतिग्रस्त हो गए। बाउंड्री वाल गिरने के बाद एफसीआई गोदाम परिसर का पूरा पानी तेज बहाव के साथ लोगो के घरों में प्रवेश कर गया, जिससे रात भर लोग परेशान रहे। मंगलवार की सुबह मुआवजे की मांग को लेकर प्रभावित परिवार के लोग भारतीय खाद्य निगम के दफ्तर पहुंच प्रदर्शन करने लगे। सूचना पर सुरजपुर एसडीएम सूरजपुर शिवानी जायसवाल, लटोरी तहसीलदार चंद्रशिला जायसवाल, पिलखा नायब तहसीलदार मीना सिंह, हल्का पटवारी राजेश साहू सहित सरपंच प्रतिनिधि संजू सिंह, उपसरपंच सज्जाद खान प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर शासन तक उनकी समस्याओं को पहुंचा राहत राशि उपलब्ध कराने आश्वस्त किया है।बताया जा रहा है कि कोविड काल में केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना मार्च 2020 के बाद वीरान पड़े भारतीय खाद्य निगमों में रौनक लौटी थी। वीरान पड़ी बिश्रामपुर भारतीय खाद्य निगम में इसी दौरान व्यवस्था सुधारने कवायद शुरू हुई, जिसमें अन्न भंडारण केंद्र की मरम्मत सहित आवश्यक सुविधाओं को विकसित करने करोड़ो रुपए के जीर्णोद्धार का कार्य कराया गया था। इस दौरान पुरानी चाहर दिवारी के ऊपर ईंट की जुड़ाई कर ऊंचाई बढ़ाई गई थी। वर्षों पुरानी दीवार के ऊपर बिना पीलर और स्पोर्ट के ईंट की जुड़ाई कराने के कारण दीवार वजनी हो गई थी। इधर दीवार के बाजू में बनाई गई ड्रेन की नियमित सफाई और परिसर में मिट्टी फिलिंग कराने के कारण सोमवार की देर रात मूसलाधार बारिश में ड्रेन के चोक होने से पानी के तेज बहाव के कारण निगम की बाउंड्रीवाल का बड़ा हिस्सा भर भराकर जमींदोज हो गया। भारी भरकम बाउंड्रीवाल गिरते ही समीप बने सरस्वती पति महबूब, शंकर प्रसाद गुप्ता पिता बनवारी साव, बालिका देवी पति दया राम, मनोज कुमार पिता दया राम, विनोद रवि पिता दया राम, साबरा बेगम पति अब्दुल सलाम, रईसन निशा पति मो.फारूक के घरों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे घरों के सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और एफसीआई के बड़े भूभाग के बारिश का पानी सीधे लोगों के घरों में प्रवेश कर गया।सुबह प्रभावित परिवारों ने जनप्रतिनिधियों को मौके पर बुलवा स्थिति से अवगत कराया। सूचना मिलते ही एसडीएम शिवानी जायसवाल ने मौके पर पहुंच भारतीय खाद्य निगम प्रबंधन से गिरी बाउंड्री वाल के मलबे को मौके से अविलंब हटवाने, हल्का पटवारी को प्रतिवेदन तैयार कर कलेक्टर कार्यालय जमा करने और पुरानी बाउंड्री वाल के ऊपर बिना कॉलम स्पोर्ट के ऊंची दीवार खड़ा करने की जांच के निर्देश दिए हैं।मौका जांच करने के दौरान अधिकारियों ने पाया कि नियम विरुद्ध तरीके से दीवार की ऊंचाई बढ़ा दी गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि अगर बाउंड्री वाल दिन में गिरी होती तो जान माल की भी क्षति हो सकती थी। प्रशासनिक अमले ने पूरे मामले से कलेक्टर को अवगत करा दिया है और प्रभावित परिवारों को आरबीसी 6, 4 के तहत नियमानुसार मुआवजा दिलाए जाने की प्रक्रिया शुरू करने आश्वस्त किया है।

सड़क पर धान की रोपाई कर ग्रामीणों ने किया अनोखा प्रदर्शन

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। बरसात के मौसम में सड़कें खेतों जैसी नजर आने लगी हैं। इसी नाराजगी को अनोखे अंदाज में जाहिर करते हुए मंगलवार को ग्राम पंचायत सरस्वतीपुर, रामनगर एवं सूरजपुर मार्ग के ग्रामीणों ने जर्जर सड़क पर धान की रोपाई कर प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उपसरपंच गोवर्धन केवट के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन ने राहगीरों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। ग्रामीणों का कहना था कि जब सड़क गड्ढों से भरकर खेत का रूप ले चुकी है, तो उसमें धान की रोपाई ही की जा सकती है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग की बदहाली को लेकर कई बार संबंधित विभाग और प्रशासन को आवेदन दिए जा चुके हैं, लेकिन आज तक सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई। नतीजतन हर बारिश में सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन जाते हैं और पानी भर जाने से राहगीरों को खतरे का सामना करना पड़ता है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों व बाइक सवारों को होती है, जो आए दिन फिसलकर घायल हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस मार्ग से लगातार भारी वाहन गुजरते हैं, जिससे सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है। बरसात के दौरान स्थिति और भी गंभीर हो गई है। कई स्थानों पर सड़क और गड्ढे में अंतर करना मुश्किल हो गया है, जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बना रहता है। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने कहा कि यह विरोध किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि वर्षों से उपेक्षित जनसमस्या की ओर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए किया गया है। उनका कहना था कि यदि जल्द ही सड़क की मरम्मत शुरू नहीं हुई, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। ग्रामीणों के बुलावे पर भाजयुमो के पूर्व जिला महामंत्री दुर्गा गुप्ता भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने सड़क की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया। ग्रामीणों ने उन्हें पूरी समस्या से अवगत कराया। इस पर दुर्गा गुप्ता ने आश्वासन दिया कि वे संबंधित विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर सड़क की मरम्मत की मांग करेंगे तथा खराब सड़क पर भारी वाहनों के आवागमन पर तत्काल रोक लगाने के लिए भी पहल करेंगे, ताकि सड़क की स्थिति और खराब न हो तथा दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। इस विरोध प्रदर्शन में सरपंच सुमित्रा देवी, जवाहर सिंह, चंद्रभान, सूरज सिंह, हीरालाल, देवकरण, निर्मल सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों की मांग है कि सरस्वतीपुर-रामनगर-सूरजपुर मार्ग की तत्काल मरम्मत कर इसे सुरक्षित बनाया जाए, ताकि क्षेत्र के हजारों लोगों को रोजाना होने वाली परेशानियों और दुर्घटनाओं से राहत मिल सके।

यूनियन सदस्यता सत्यापन में सीटू के चेक ऑफ सिस्टम में शामिल

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। एसईसीएल में होने वाले यूनियन सदस्यता सत्यापन को लेकर एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। भारतीय ट्रेड यूनियन केन्द्र सीटू ने अपनी संबद्ध यूनियनों को चेक ऑफ सिस्टम के माध्यम से होने वाली सदस्यता सत्यापन प्रक्रिया में भाग लेने की औपचारिक अनुमति दे दी है। इससे आगामी सत्यापन प्रक्रिया और भी रोचक तथा प्रतिस्पर्धी होने की संभावना बढ़ गई है। 20 जुलाई को सीटू के महासचिव इलामारम करीम द्वारा कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन सह प्रबंध निदेशक को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि 29 और 30 जून को बेंगलुरु में आयोजित सीटू के राष्ट्रीय पदाधिकारी सम्मेलन में यह निर्णय लिया गया था। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया था कि कोल इंडिया और उसकी सभी आठ सहायक कंपनियों में कार्यरत सीटू से संबद्ध यूनियनें अब चेक ऑफ प्रणाली के तहत सदस्यता सत्यापन में हिस्सा लेंगी। सीटू पदाधिकारियों ने अपने पत्र में कोल इंडिया प्रबंधन से आग्रह किया है कि सदस्यता सत्यापन पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और दबावमुक्त वातावरण में कराया जाए। संगठन का कहना है कि किसी भी कर्मचारी को प्रलोभन या दबाव डालकर किसी यूनियन की सदस्यता दिलाने का प्रयास नहीं होना चाहिए। साथ ही सीटू ने यह भी मांग की है कि एक कर्मचारी केवल एक ही यूनियन का सदस्य रहे और सदस्यता में किसी प्रकार की दोहराव न होने पाए। इससे सत्यापन प्रक्रिया की विश्वसनीयता और निष्पक्षता बनी रहेगी। सूत्रों की मानें तो सीटू की औपचारिक भागीदारी से इस बार सदस्यता सत्यापन पहले की तुलना में अधिक दिलचस्प होगा। एसईसीएल में पहले से सक्रिय विभिन्न ट्रेड यूनियनों के बीच सदस्य संख्या बढ़ाने की होड़ तेज होने की संभावना है। चेक-ऑफ प्रणाली के तहत कर्मचारियों की पसंद के आधार पर यूनियनों की वास्तविक ताकत का आकलन किया जाएगा, जिससे भविष्य में उनकी मान्यता और प्रतिनिधित्व पर भी प्रभाव पड़ेगा। सूत्रों के अनुसार कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों में सदस्यता सत्यापन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। प्रबंधन जल्द ही विस्तृत कार्यक्रम और दिशा-निर्देश जारी कर सकता है।

कोल इंडिया के गिनीज रिकॉर्ड अभियान से जुड़ा बिश्रामपुर का पौधरोपण महोत्सव

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को बिश्रामपुर स्थित समता बुद्ध विहार परिसर में सौंदर्यीकरण एवं पर्यावरण संरक्षण महोत्सव का आयोजन किया गया। एक पौधाङ्कएक जीवन, एक संकल्प थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में एसईसीएल अधिकारियों, सामाजिक संगठनों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लेते हुए पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के पारंपरिक स्वागत से हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय कुमार सिंह थे। अन्य अतिथियों में कार्मिक प्रबंधक शिंदे, सुरक्षा प्रभारी श्याम सुंदर, पर्यावरण विभाग के प्रिंस प्रजापति, सिस्टा एसोसिएशन के अध्यक्ष राम बिहारी राम, क्षेत्रीय सचिव ओमप्रकाश पैकरा सहित कई अधिकारी एवं सामाजिक प्रतिनिधि मंचासीन रहे। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि प्रत्येक प्रतिभागी ने स्वयं पौधा लगा उसके साथ नेमप्लेट लगाकर अपनी भागीदारी दर्ज कराई। आयोजकों का कहना था कि इससे पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित होगी और लोग अपने लगाए पौधों के प्रति जिम्मेदारी महसूस करेंगे। इस अवसर पर एसएस मुंडा, राजेश, लखन लाल कुर्रे, रामराज, सजल मित्रा, देव चौधरी, परवीन, सावित्री बाई फुले महिला समिति की अध्यक्ष मीना एवं समिति के पदाधिकारीयों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भी भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि 21 जुलाई को पूरे देश में कोल इंडिया लिमिटेड एवं उसकी सभी सहायक कंपनियों द्वारा एक साथ विशाल पौधरोपण अभियान चलाया गया। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराना भी है। बताया जा रहा है कि इस अभियान के तहत एसईसीएल को लगभग साढ़े तीन लाख पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है, जबकि बिश्रामपुर क्षेत्र के लिए 40 हजार पौधों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए पौधरोपण सबसे प्रभावी उपायों में से एक है। उन्होंने लोगों से केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहकर उनकी नियमित देखभाल करने का भी आह्वान किया।

बारिश से चलती ट्रेलर पर गिरा विशाल सरई का पेड़, चालक घायल

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। लगातार हो रही बारिश के बीच मंगलवार की सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर बड़ा हादसा टल गया। सिलफिली स्थित आकाशवाणी केंद्र और 10 वीं बटालियन के बीच सुबह करीब 6.30 बजे अचानक एक विशालकाय सरई का पेड़ चलती ट्रेलर के केबिन पर भरभराकर गिर पड़ा। हादसे में ट्रेलर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा। जानकारी के अनुसार नया ट्रेलर वाहन को लेकर चालक जमशेदपुर झारखंड निवासी साजिद जमशेदपुर से मध्यप्रदेश के सीहोर जा रहा था। जैसे ही वाहन सिलफिली के पास पहुंचा, लगातार बारिश के कारण सड़क किनारे खड़ा सरई का विशाल पेड़ अचानक उखड़कर सीधे ट्रेलर के केबिन पर आ गिरा। पेड़ गिरने की आवाज से आसपास अफरा-तफरी मच गई और अन्य वाहन चालकों ने तत्काल अपने वाहन रोक दिए।

हादसे में ट्रेलर चालक साजिद निवासी जमशेदपुर के पैर में चोट आई है। स्थानीय लोगों ने तत्काल उसे वाहन से बाहर निकालकर उपचार के लिए भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया, लेकिन बाद में परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर ले गए।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही जयनगर पुलिस और हाइवे पेट्रोलिंग की टीम मौके पर पहुंची। भारी भरकम पेड़ सड़क के बीचों-बीच गिरने से राष्ट्रीय राजमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया था। पुलिस व हाइवे पेट्रोलिंग कर्मियों और स्थानीय लोगों ने मिलकर करीब दो घंटे तक लगातार मशक्कत करते हुए पेड़ को काटकर हटाया, जिसके बाद सुबह करीब साढ़े आठ बजे के आसपास यातायात सामान्य हो सका। हादसे के बाद सड़क के दोनों ओर ट्रकों, बसों, कारों और अन्य छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतारें लग गई थी। कई यात्रियों को घंटों सड़क पर इंतजार करना पड़ा। सुबह के व्यस्त समय में यातायात प्रभावित होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सूखे और जर्जर पेड़ बने जानलेवा खतरा

स्थानीय लोगों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 43 के किनारे कई पेड़ वर्षों से सूखे और कमजोर अवस्था में खड़े हैं। लगातार बारिश और तेज हवा के दौरान इनके गिरने का खतरा हमेशा बना रहता है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ऐसे पेड़ों की पहचान कर उन्हें हटाया नहीं गया, तो भविष्य में इससे भी बड़ा हादसा हो सकता है, जिसमें कई लोगों की जान जोखिम में पड़ सकती है।

क्षेत्रवासियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और संबंधित विभाग से मांग की है कि बरसात के मौसम को देखते हुए सड़क किनारे मौजूद सूखे और खतरनाक पेड़ों का तत्काल सर्वे करा उन्हें काटकर हटाया जाए, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

संलग्नीकरण निरस्ती से सजेस हिंदी माध्यम बिश्रामपुर में व्यवस्था चरमराई

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। प्रदेश में संलग्नीकरण निरस्त किए जाने के निर्णय का असर अब विद्यालयों की दैनिक व्यवस्थाओं पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगा है। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय बिश्रामपुर में भृत्य कर्मचारियों के अभाव के कारण स्कूल संचालन प्रभावित हो रहा है। जानकारी के अनुसार विद्यालय में भृत्य के कुल 5 स्वीकृत पद हैं। इनमें 1 भृत्य मातृत्व अवकाश पर हैं, जबकि 4 पद लंबे समय से रिक्त हैं। विद्यालय में कार्य सुचारु रूप से चलाने के लिए एक भृत्य को संलग्न किया गया था, लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर के आदेश के बाद उन्हें भी उनके मूल विद्यालय वापस भेज दिया गया। इसके बाद विद्यालय पूरी तरह भृत्य विहीन हो गया है। स्थिति यह है कि विद्यालय में सुबह ताला खोलने और छुट्टी के बाद ताला बंद करने तक के लिए कोई कर्मचारी उपलब्ध नहीं है। परिसर एवं कक्षाओं की नियमित साफ-सफाई, शौचालयों की स्वच्छता, कार्यालयीन कार्यों में सहयोग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी गंभीर रूप से प्रभावित हो रही हैं। इसका सीधा असर विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों पर पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि जब शासन द्वारा विद्यालय को उत्कृष्ट विद्यालय का दर्जा दिया गया है, तब न्यूनतम आवश्यक कर्मचारियों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। केवल नाम से उत्कृष्ट विद्यालय बनाने से गुणवत्तापूर्ण व्यवस्था नहीं बनती है।

विद्यालय से जुड़े अभिभावकों ने मांग की है कि रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति की जाए अथवा वैकल्पिक व्यवस्था होने तक आवश्यक कर्मचारियों की तैनाती की जाए, ताकि विद्यालय की मूलभूत व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

बिश्रामपुर रेलवे साइडिंग से रैक से कोयला डिस्पैच शुरू

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

बिश्रामपुर। 8 वर्षों से बंद पड़ी बिश्रामपुर रेलवे साइडिंग में फिर से रौनक लौट आई है। करीब 41 करोड़ रुपए की लागत से साइडिंग के पुनर्निर्माण कार्य पश्चात पिछले दिनों रेल अधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर इसके संचालन की अनुमति प्रदान कर देने के बाद मंगलवार को रेलवे ने यहां कोयला लोडिंग के लिए रैक सप्लाई कर दी है। जिसके बाद क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह ने साइडिंग में पूजा अर्चना कर रैक लोडिंग का कार्य आरंभ कराया है।

बताया जा रहा है कि मध्यप्रदेश इटारसी के खरगोन सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन के लिए 58 डिब्बों वाली रैक सप्लाई की गई है, जिसमें माइनस हंड्रेड एमएम साइज की जी 6, जी 7, जी 8 ग्रेड का कोयला रैक से डिस्पैच होगा। वर्तमान में साइडिंग में अमेरा आमगांव, केतकी और गायत्री खदान का कोयला यहां खदानों से ट्रकों के माध्यम से साइडिंग तक पहुंचाया जा रहा है। बिश्रामपुर क्षेत्र में रेलवे रैक के जरिए कोयला डिस्पैच शुरू होने से खदानों में कोयला स्टॉक में कमी आने के साथ सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल कोल डिस्पैच होगा। साथ ही सड़कों पर कोल परिवहन का दबाव कम होगा। ज्ञात हो कि 41 करोड़ रुपए की लागत से रेलवे साइडिंग के पुनर्निर्माण कार्य में साइडिंग को पूरी तरह से आधुनिक बनाया गया है। इसमें साढ़े आठ सौ मीटर लंबा प्लेटफार्म बनाया गया है। साथ ही दो नई लाइन बिछाई गई है, जिसमें दोनों क्षोर से एक साथ लोडिंग की व्यवस्था बनाई गई है, ताकि द्रुत गति से कोयला परिवहन रेल के जरिए कराई जा सके। साइडिंग के पुनर्निर्माण कार्य से सबसे बड़ा फायदा खदानों में कोयले के उठाव नहीं होने से अधिक भंडारण से आग लगने कोयला चोरी पर काफी हद तक अंकुश लगने की संभावना है। मंगलवार को साइडिंग से लोडिंग का कार्य शुरू होने के दौरान एरिया सेल्स ऑफिसर जी किशोर, चरणजीत सिंह सहित क्षेत्रीय अधिकारी साइडिंग का अमला इस दौरान उपस्थित था।

बारिश, बदहाल पुलिया और जनता की पीड़ा, एक्शन मोड पर विधायक शकुंतला

धरासाई पुलिया पर पहुंचते ही ठेकेदार पर बरसीं विधायक-बोलीं गुणवत्ता से नही होगा कोई समझौता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर क्षेत्रान्तर्गत धोंधा गोविंदपुर रमकोला मार्ग पर निमार्णाधीन रपटा के पहली तेज बारिश में धरासाई हो जाने के बाद उठे सवालों के बीच प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते मंगलवार को एक्शन मोड में नजर आईं। झमाझम बारिश के बीच विधायक स्वयं मौके पर पहुंचीं और बह चुके रपटा तथा क्षतिग्रस्त स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की स्थिति देखकर गहरी नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों तथा ठेकेदार को गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने की सख्त चेतावनी दी। गौरतलब है कि इसी मार्ग पर कुछ वर्ष पहले करोड़ों रुपये की लागत से बनी पुलिया भी क्षतिग्रस्त होकर ढह गई थी। उसके बाद आवागमन बहाल करने के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा अस्थायी रपटा बनाया जा रहा था, लेकिन वह पहली बारिश भी नहीं झेल पाया और उसके बह जाने से निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। मामले को लेकर क्षेत्र में पहले से ही आक्रोश था। विधायक के मौके पर पहुंचने से ग्रामीणों में यह संदेश गया कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना जा रहा है। निरीक्षण के दौरान विधायक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से निर्माण कार्य की पूरी जानकारी ली और कहा कि जनता के टैक्स के पैसे से बनने वाले विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही किसी कीमत पर भी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि जांच में गुणवत्ता में कमी, तकनीकी लापरवाही या नियमों की अनदेखी सामने आती है तो जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित निर्माण एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। विधायक श्रीमती पोर्ते ने दूरभाष के माध्यम से कलेक्टर रेना जमील से भी चर्चा कर पूरे मामले की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता बार बार अधूरे और कमजोर निर्माण कार्यों की कीमत नहीं चुका सकती। भविष्य में ऐसा दोबारा न हो, इसके लिए गुणवत्तापूर्ण एवं टिकाऊ निर्माण सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है ।निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने विधायक के सामने अपनी समस्याएं रखीं। ग्रामीणों ने बताया कि पुलिया और रपटा क्षतिग्रस्त होने से धोन्धा, गोविंदपुर, रमकोला सहित आसपास के कई गांवों का संपर्क प्रभावित हो गया है। किसानों, विद्यार्थियों, मरीजों और आम लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि स्थायी समाधान के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाएंगे और लापरवाही पर कार्रवाई भी होगी। भारी वर्षा के बीच विधायक का मौके पर पहुंचना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। ग्रामीणों ने कहा कि खराब मौसम और कठिन परिस्थितियों के बावजूद विधायक स्वयं निरीक्षण करने पहुंचीं, जिससे लोगों में विश्वास और उम्मीद दोनों बढ़ी हैं। कई ग्रामीणों ने इसे जनप्रतिनिधि की जवाबदेही और संवेदनशीलता का उदाहरण बताया।

निमार्णाधीन महाविद्यालय की गुणवत्ता को लेकर संबंधित अधिकारियो को विधायक ने लगाई फटकार

धोंधा प्रवास के दौरान विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने निमार्णाधीन कृषि महाविद्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने भवन निर्माण की गुणवत्ता, प्रगति और तकनीकी मानकों की जानकारी ली। जहां-जहां निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया अथवा कार्य की गति संतोषजनक नहीं दिखी, वहां संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता, पारदर्शिता और निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित विभागों के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। विधायक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जाए और जनता की सुविधाओं से जुड़े कार्यों में गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। धोंधा पुलिया और कृषि महाविद्यालय के निरीक्षण ने यह स्पष्ट कर दिया कि प्रतापपुर क्षेत्र में विकास कार्यों की निगरानी को लेकर विधायक श्रीमती पोर्ते सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें प्रशासनिक जांच और उसके बाद होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं, ताकि विकास कार्यों में गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

सीएम हेल्पलाइन से बिंजली में 24 घंटे में सुगम हुआ रास्ता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। सुशासन का वास्तविक ध्येय आम नागरिक के जीवन को सुगम बनाना है। जब सरकारी योजनाएँ और सुविधाएँ कागजी दावों से बाहर निकलकर धरातल पर उतरती हैं और बिना किसी बाधा के नागरिकों तक पहुँचती हैं, तभी वास्तविक अर्थों में सुशासन की सार्थकता सिद्ध होती है। सरकारी सेवाओं को ऑनलाइन करके भ्रष्टाचार को कम किया गया है। सुशासन का वास्तविक ध्येय तब सिद्ध होता है, जब शासन की योजनाएँ और सुविधाएँ कागजों से निकलकर आम नागरिक के जीवन को सुगम बनाएँ। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर संचालित सीएम हेल्पलाइन 1076 आज आमजन के भरोसे का प्रतीक बनकर उभरी है। नारायणपुर जिले के ग्राम पंचायत बिंजली में घटी एक घटना इस प्रशासनिक संवेदनशीलता और त्वरित कार्यशैली की बानगी प्रस्तुत करती है।

कीचड़ बना था आवागमन में रोड़ा

ग्राम पंचायत बिंजली में हाल ही में हुए नलकूप खनन के बाद मार्ग पर भारी मात्रा में कीचड़ जमा हो गया था। मानसूनी बारिश के कारण यह रास्ता बेहद फिसलन भरा और खतरनाक हो चुका था। स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए इस मार्ग से गुजरना जोखिम भरा हो गया था। स्थानीय स्तर पर प्रयास करने के बावजूद समस्या का स्थाई समाधान नहीं निकल पा रहा था।

शिकायत के 24 घंटे भीतर एक्शन

परेशानी से राहत पाने के लिए गाँव के निवासी जितेश सहारे ने सीएम हेल्पलाइन 1076 पर अपनी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होते ही कलेक्टर के निर्देश पर जनपद पंचायत नारायणपुर का प्रशासनिक अमला तुरंत हरकत में आया। संवेदनशीलता दिखाते हुए मात्र 24 घंटे के भीतर मार्ग से कीचड़ की पूरी तरह सफाई कराई गई और रास्ते को आवागमन के लिए पूरी तरह सुरक्षित व सुगम बना दिया गया।

जन-विश्वास का मजबूत सेतु 1076

समस्या के त्वरित समाधान से बिंजली के ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है। अब ग्रामीणों को दफ्तरों के चक्कर काटने की आवश्यकता नहीं पड़तीकृबस एक कॉल और समाधान हाजिर। ग्रामीणों का कहना है कि यह व्यवस्था शासन के प्रति आम जनता के विश्वास को और गहरा कर रही है। त्वरित राहत मिलने पर गाँव वालों ने जिला प्रशासन की कार्यशैली की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का सहृदय आभार व्यक्त किया।

कोरबा वन मंडल ने की 20 घनमीटर अवैध साल लकड़ी बरामद,मुख्य आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।छत्तीसगढ के कोरबा वन मंडल ने लकड़ी की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए लगभग 20 घनमीटर अवैध साल लकड़ी बरामद की है । वन विभाग की रणनीतिक कार्रवाई और रायपुर वन मंडल के सहयोग से अंतर-जिला स्तर पर संचालित तस्करी के मामले का खुलासा हुआ। मुख्य आरोपी सुनील कुमार गुप्ता को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्रवाई

वन विभाग कोरबा को सूचना मिली थी कि कोरबा से अवैध रूप से साल लकड़ी का परिवहन कर उसे रायपुर के अभनपुर स्थित एक आरा मिल में बेचा गया है । सूचना के आधार पर विभाग ने जांच शुरू की और संदिग्ध से पूछताछ की। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने अधिकारियों को गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने लकड़ी को अभनपुर स्थित आरा मिल में बेचने की बात स्वीकार कर ली।

पांच वन परिक्षेत्र अधिकारियों की संयुक्त टीम ने की छापेमारी

आरोपी की निशानदेही पर कोरबा वन मंडल ने पांच वन परिक्षेत्र अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर अभनपुर स्थित आरा मिल में छापेमारी की। जांच के दौरान चोरी की गई 20 घनमीटर साल लकड़ी बरामद की गई। पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी और दस्तावेजीकरण किया गया।

सामाजिक कार्यकर्ताओं का धरना चलता रहा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

प्रतापपुर/एक तरफ बारिश होती रही,दूसरी तरफ सामाजिक कार्यकताओं का धरना चलता रहा ।मामला प्रतापपुर तहसील के जगन्नाथुर जलाशय से जुड़ा है जिसका अस्तित्व महान तीन कोयला खदान के कारण खतरे में है ।जल संसाधन विभाग द्वारा जलाशय बचाने गंभीर न होने का आरोप लगा धरना एसडीओ कार्यालय के बाहर करीब तीन घंटे तक हुआ। उल्लेखनीय है कि जगन्नाथपुर जलाशय पचास साल पुराना है और महान तीन कोयला खदान के कारण इसके अस्तित्व को खतरा है क्योंकि एसईसीएल ने बांध के करीब कोयला खोदाई कर दी है,सड़क का निर्माण कर दिया है ।जलाशय बचाने प्रतापपुर के सामाजिक कार्यकर्ता राकेश मित्तल और जिशान खान ने दो बार आंदोलन किया है और आज तीसरी बार इनके साथ सामाजिक कार्यकर्ता दीपक चंद मित्तल जलसंसाधन विभाग प्रतापपुर के एसडीओ कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए ।इनका आरोप था कि बांध का मालिक होने के बावजूद विभाग इसे बचाने प्रयास नही कर रहा है ।इस बीच बारिश शुरू हो गई, नायब तहसीलदार मुकेश दास, एसडीओ लोकेश राजवाड़े तथा एएसआई राजेश यादव ने उन्हें भवन के अंदर बैठने कहा लेकिन वे बारिश में ही धरना में बैठे रहे ।इस बीच ईई सूरजपुर तरन्नुम खानम धरने पर पहुंचीं। राकेश ने उनसे 800 मीटर पर खोदाई,200 मीटर की दूरी काम को लेकर लिखी गई चिट्ठी पर जवाब मांगा ।उन्होंने पांच साल के जल भराव के आंकड़े,कमांड एरिया प्रभावित होने की जांच,बांध के करीब भूमि अधिग्रहण पर अब तक जांच न होने के साथ विभागीय उदासीनता के आरोप लगाए ।जिशान और दीपक ने कहा कि बांध का मालिक विभाग है,इस खतरा है लेकिन अधिकारी एसईसीएल के खिलाफ कार्यवाही नहीं कर पा रहा है ।इन बातों पर ईई ने आश्वस्त किया कि बांध बचाने हर स्तर की कार्यवाही करेंगे,उच्च स्तर से मार्गदर्शन लेकर सभी पहलुओं पर जांच करेंगें ।उनकी बातों से सामाजिक कार्यकर्ता सहमत हुए और आंदोलन समाप्त किया लेकिन एक महीने बाद सूरजपुर में उनके कार्यालय के बाहर आंदोलन की चेतावनी भी दी ।इस दौरान आशुतोष जयसवाल भी उपस्थित रहे जिन्होंने सरगुजा में सबसे पहला अनशन किया था।

ईई ने कहा,बांध की है चिंता,करेंगे जरूरी कार्यवाही,एक महीने का मांगा समय...

ईई तरन्नुम खानम इस दौरान कहा कि विभाग को बांध की चिंता है,हमने पत्र लिखे हैं ।अब इस मामले में और जरूरी कार्यवाही करेंगें, एसईसीएल के साथ उच्च स्तर पर पत्राचार करेंगे ।उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो मामले में एफआईआर भी करेंगे। उन्होंने एक महीने का समय मांगा और कहा कि इस बीच सभी जरूरी कार्यवाही कर आप लोगों को अवगत कराएंगे।

बांध सुरक्षा समिति और जियोलॉजिकल की टीम से कराएंगे जांच...

जिशान ने अब तक जिला और राज्य की बांध सुरक्षा समिति से जांच न कराने की बात कही और सवाल खड़े किए ।इस पर ईई ने कहा कि जल्दी ही राज्यस्तरीय बांध सुरक्षा समिति आने वाली है जिससे यहां की जांच भी कराएंगे ।बांध के करीब ब्लास्टिंग के जवाब में उन्होंने कहा कि इसकी जांच भी जियोलॉजिकल टीम से कराएंगे।

मदननगर खुली खदान से बढ़ जायेगा खतरा,अभी से तैयार रहने कहा ईई से..

राकेश मित्तल ने ईई से कहा कि अभी तो महान तीन कोयला खदान के कारण बांध को खतरा है,अब यहां मदननगर खुली खदान परियोजना खुलने वाली है ।यह क्षेत्र वही है जिधर से बांध के पानी के स्त्रोत हैं और फिर बांध पूरी तरह खत्म हो जायेगा ।उन्होंने ईई से कहा कि वे इस परियोजना से बांध को बचाने अभी से तैयारी शुरू कर लें और अपना विरोध दर्ज करा दें।

किसान अब पैडी ट्रांसप्लांटर विधि से धान रोपाई कर रहे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।कृषि विभाग एवं शासन की योजनाओं के सहयोग से बलौदाबाजार भाटापारा जिले के कृषक अब परंपरागत तरीके को छोड़कर पैडी ट्रांसप्लांटर के माध्यम से धान की रोपाई कर रहे हैं। इससे रोपाई में लगने वाला समय कम हुआ है साथ ही उत्पादन में भी वृद्धि दर्ज की जा रही है। कृषकों द्वारा अपनाई जा रही आधुनिक-तकनीक वर्तमान खरीफ सीजन में विकास खंड पलारीके ग्राम सकरी (स) के प्रगतिशील कृषक लेखराम साहू और बहोरन साहू द्वारा अपने खेत में पैडी ट्रांसप्लांटर से धान की रोपाई की जा रही है ।कृषक श्री लेखराम साहू ने बताया कि पहले मजदूरों से रोपाई करवाने में 2-3 दिन लग जाते थे और 5000-6000 प्रति एकड़ खर्च आता था। अब ट्रांसप्लांटर से 1 एकड़ की रोपाई मात्र 2-3 घंटे में हो जा रही है और लागत भी लगभग 2000 कम हो गई है। सीधी लाइन में रोपाई होने से पौधों की ग्रोथ भी अच्छी है पैडी ट्रांसप्लांटर के लाभ- दिन में 6-8 एकड़ तक रोपाई संभव,मजदूरी एवं समय दोनों की बचत,रोपाई के समय मजदूरों की अनुपलब्धता की समस्या दूर हुई।

सीड बॉल निर्माण कर विद्यार्थियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर - पर्यावरण संरक्षण, हरियाली संवर्धन एवं विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के निर्देशन में जिले के विभिन्न विद्यालयों में नवाचारी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा तथा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय पतरापाली में ईको क्लब के तत्वावधान में ह्लसीड बॉल निर्माण एवं पर्यावरण संरक्षणह्व विषय पर विशेष गतिविधि आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की व्यवहारिक जानकारी देना तथा उन्हें प्रकृति के प्रति उत्तरदायी बनाना था। गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ मिट्टी, गोबर (कम्पोस्ट) एवं विभिन्न प्रजातियों के बीजों से सीड बॉल तैयार किए। इन सीड बॉल में नीम, पीपल, कोसम, कचनार, कटहल, आम एवं इमली जैसे छायादार, फलदार एवं पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण वृक्षों के बीजों का उपयोग किया गया। कार्यक्रम के दौरान ईको क्लब प्रभारी शिक्षक योगेश कुमार साहू ने विद्यार्थियों को सीड बॉल बनाने की संपूर्ण विधि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि सबसे पहले चिकनी मिट्टी और गोबर को समान मात्रा में मिलाकर उसमें आवश्यकतानुसार पानी डालकर मिश्रण तैयार किया जाता है। इसके बाद प्रत्येक गेंद के भीतर एक या दो बीज रखकर छोटी-छोटी गोल सीड बॉल बनाई जाती हैं तथा उन्हें छाया में सुखाया जाता है। वर्षा ऋतु में इन सीड बॉल को बंजर भूमि, जंगलों, पहाड़ियों एवं अन्य खाली स्थानों पर फेंक दिया जाता है, जहाँ बारिश होने पर बीज स्वतः अंकुरित होकर पौधों का रूप ले लेते हैं। श्री साहू ने विद्यार्थियों को बताया कि सीड बॉल तकनीक कम लागत में अधिक से अधिक पौधारोपण का प्रभावी माध्यम है। इससे बीजों को प्रारंभिक सुरक्षा मिलती है, मिट्टी एवं जल संरक्षण में सहायता मिलती है, जैव विविधता बढ़ती है तथा पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। उन्होंने बच्चों को यह भी प्रेरित किया कि प्रत्येक विद्यार्थी वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक सीड बॉल तैयार कर उन्हें प्रकृति को समर्पित करे, जिससे आने वाले वर्षों में हजारों नए पौधे विकसित होकर हरियाली का विस्तार कर सकें। इस अवसर पर विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन, वनों के संरक्षण, जैव विविधता, जल संरक्षण, मिट्टी संरक्षण तथा वृक्षों के सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक सीड बॉल तैयार किए और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका अनीता सिंह ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया तथा विद्यार्थियों को सीड बॉल निर्माण एवं पर्यावरणीय गतिविधियों में मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में प्रधानपाठक के. के. यादव, योगेश कुमार साहू, अनीता सिंह, रघुनाथ जायसवाल सहित विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने ह्लहरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के निर्माणह्व का सामूहिक संकल्प लेते हुए अपने घर, गांव एवं आसपास के क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। विद्यालय परिवार का मानना है कि इस प्रकार की नवाचारी एवं गतिविधि-आधारित शिक्षण पद्धतियाँ विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम, सामाजिक उत्तरदायित्व, वैज्ञानिक सोच एवं पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करती हैं। सीड बॉल निर्माण जैसी पहल न केवल हरियाली बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ एवं संतुलित पर्यावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

सम्पादकीय

सरकार और विपक्ष टकराव नहीं, चर्चा को दें प्राथमिकता

आज से शुरू हो रहा संसद का मानसून सत्र ऐसे समय में आयोजित हो रहा है, जब देश के सामने शिक्षा, रोजगार, महंगाई, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा और संघीय ढांचे जैसे अनेक गंभीर मुद्दे हैं। ऐसे में देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था से जनता की अपेक्षा शोर-शराबे की नहीं, बल्कि सार्थक बहस और ठोस समाधान की है। दुर्भाग्य से सत्र शुरू होने से पहले ही सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने दिखाई दे रहे हैं। विपक्ष जहां नीट पेपर लीक, बिहार की मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर), शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर सोनम वांगचुक और कॉकरोच जनता पार्टी के अध्यक्ष अभिजीत दीपके के अनशन, परिसीमन और अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है, वहीं सरकार अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहती है। यह टकराव लोकतंत्र का हिस्सा हो सकता है, लेकिन यदि यह सदन की कार्यवाही को ठप कर दे तो सबसे बड़ा नुकसान देश और जनता का होता है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका केवल विरोध करने की नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह बनाने की भी होती है। यदि नीट पेपर लीक जैसा मामला लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा है या किसी अन्य विषय पर जनता के मन में सवाल हैं, तो उन्हें संसद में पूरी गंभीरता से उठाया जाना चाहिए। सरकार का भी दायित्व है कि वह इन मुद्दों पर स्पष्ट और संतोषजनक जवाब दे। विपक्ष को भी यह समझना होगा कि लगातार हंगामा, नारेबाजी और सदन की कार्यवाही बाधित करना लोकतांत्रिक संघर्ष का सबसे प्रभावी तरीका नहीं है। पिछले वर्षों का अनुभव बताता है कि संसद की उत्पादकता घटने से जनता में निराशा बढ़ी है। करोड़ों रुपये का सार्वजनिक धन खर्च होने के बावजूद यदि सदन नहीं चलता, तो इसका सीधा नुकसान करदाताओं और लोकतांत्रिक व्यवस्था को होता है। संसद का मंच बहस के लिए बना है, बहिष्कार या व्यवधान के लिए नहीं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू का यह कहना उचित है कि राजनीतिक लाभ चर्चा से मिलता है, हंगामे से नहीं। वहीं, सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि विपक्ष की आवाज दबे नहीं। छोटे दलों को पर्याप्त समय मिले, विधेयकों को जल्दबाजी में पारित न किया जाए और सभी महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हो। यदि सरकार संवाद का रास्ता अपनाएगी तो विपक्ष पर भी रचनात्मक सहयोग का नैतिक दबाव बनेगा। सत्र से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों को बुलाने को लेकर विपक्ष का वॉकआउट भी बताता है कि राजनीतिक अविश्वास कितना गहरा हो चुका है। यह अविश्वास तभी कम होगा, जब सरकार सभी दलों के साथ निष्पक्ष और पारदर्शी व्यवहार करेगी तथा विपक्ष भी हर मुद्दे को केवल राजनीतिक संघर्ष का माध्यम बनाने के बजाय जनहित के नजरिए से देखेगा। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधि सदन है। यदि संसद संवाद की जगह टकराव का अखाड़ा बन जाएगी, तो लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत ही कमजोर पड़ जाएगी। कुल मिलाकर मानसून सत्र में सरकार को जवाबदेही, पारदर्शिता और संवाद का परिचय देना होगा, जबकि विपक्ष को अपनी भूमिका जिम्मेदार और रचनात्मक तरीके से निभानी होगी। लोकतंत्र में सरकार से जवाब मांगना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन संसद की कार्यवाही बाधित करना समाधान नहीं हो सकता। इसी तरह सरकार की जिम्मेदारी भी विपक्ष के सवालों का पारदर्शी और तथ्यपूर्ण जवाब देना है। ऐसे में यह मानसून सत्र टकराव का नहीं, बल्कि संवाद, जवाबदेही और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का अवसर बनना चाहिए।

मुद्दा
विकास खितौलिया

संवाद स्थापित करना ही विवेकपूर्ण कदम

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता का विश्वास होता है। यह विश्वास केवल चुनाव जीतने से नहीं मिलता, बल्कि जनता की पीड़ा को सुनने और उसका समाधान करने से बनता है। जब सरकार संवाद से दूरी बना लेती है, तब असंतोष सड़कों पर दिखाई देने लगता है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक तथा उनके साथ मौजूद छात्र और समर्थक अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करते हुए अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल और प्रदर्शन कर रहे हैं। देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है। यदि वही व्यवस्था से निराश हो गए, तो यह केवल सरकार की नहीं, पूरे लोकतंत्र की हार होगी। इसलिए समय रहते संवाद स्थापित करना ही सबसे विवेकपूर्ण कदम होगा।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता का विश्वास होता है। यह विश्वास केवल चुनाव जीतने से नहीं मिलता, बल्कि जनता की पीड़ा को सुनने और उसका समाधान करने से बनता है। जब सरकार संवाद से दूरी बना लेती है, तब असंतोष सड़कों पर दिखाई देने लगता है। इन दिनों दिल्ली के जंतर-मंतर पर पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक तथा उनके साथ मौजूद छात्र और समर्थक अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करते हुए अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल और प्रदर्शन कर रहे हैं। अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल किसी भी व्यक्ति का सहज निर्णय नहीं होता।

यह तब होता है, जब लोगों को लगता है कि उनकी बात सामान्य माध्यमों से नहीं सुनी जा रही। यह आंदोलन केवल एक क्षेत्र या एक व्यक्ति का मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि शासन, संवाद और जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्न खड़े कर रहा है। इसी समय देश में शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी असंतोष कम नहीं है। देश का युवा भी एक अलग संघर्ष लड़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों छात्रों का भरोसा हिला दिया है। वर्षों की मेहनत, परिवार की उम्मीदें, आर्थिक कठिनाइयों और मानसिक तनाव के बाद जब परीक्षा की निष्पक्षता पर ही सवाल खड़े हो जाएं, तो युवाओं का व्यवस्था पर भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। पेपर लीक जैसी घटनाएं केवल एक प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय है। सरकारें बदलती रहती हैं, मंत्री पद दोबारा मिल सकता है, लेकिन एक छात्र का खोया हुआ वर्ष वापस नहीं आता। परीक्षा रद्द होती है, दोबारा आयोजित होती है, लेकिन उस दौरान छात्रों का समय, मेहनत, पैसा और मानसिक संतुलन कौन लौटाएगा? सार्वजनिक चर्चा में यह भी बार-बार कहा जाता रहा है कि परीक्षा संबंधी अनियमितताओं और मानसिक दबाव के कारण कई छात्रों ने आत्महत्या जैसे दुखद कदम उठाए हैं। भले ही इन घटनाओं के पीछे कई सामाजिक और व्यक्तिगत कारण भी हो सकते हैं, लेकिन यह स्वीकार करना होगा कि शिक्षा व्यवस्था में लगातार पैदा हो रहे संकट ने युवाओं की चिंता और निराशा को बढ़ाया है। सरकार की जिम्मेदारी केवल दोषियों को पकड़ने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि ऐसी मजबूत व्यवस्था विकसित करने की भी होनी चाहिए जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। कठोर प्रणाली ना होने के कारण देश की सभी सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों में पेपर लीक घटनाएं हुई है। अनेक बार परीक्षा प्रणाली में बार-बार सामने आई खामियों ने देश के युवाओं के मन में कई सवाल खड़े किए हैं। आखिर बार-बार पेपर कैसे लीक हो जाते हैं? जिम्मेदार कौन है? क्या केवल छोटे कर्मचारियों या गिरोहों पर कार्रवाई पर्याप्त है, या फिर प्रशासनिक जवाबदेही भी तय होनी चाहिए? लोकतंत्र में सत्ता अधिकार के साथ उत्तरदायित्व भी लेकर आती है। इसलिए जनता यह जानना चाहती है कि ऐसी घटनाओं की नैतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी कौन स्वीकार करेगा। ऐसे में सरकार से यह सवाल पूछा जाना स्वाभाविक है कि क्या पेपर लीक जैसी गंभीर घटनाओं की नैतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी तय नहीं होनी चाहिए क्या? क्या केवल निचले स्तर पर कार्रवाई पर्याप्त

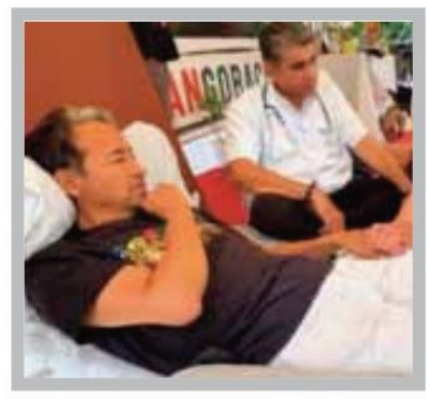

है, या फिर जवाबदेही ऊपर तक भी तय होनी चाहिए? आंदोलनकारी छात्रों, सोनम वांगचुक, विपक्ष और विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की मांग भी उठाई जा रही है। जबकि हमें पता है कोई भी इस्तीफा अपने आप में समाधान नहीं होता, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करने की परंपरा शासन के प्रति जनता का विश्वास मजबूत करती है। इसी कारण जनता का विश्वास केवल आश्वासनों से नहीं, बल्कि परिणामों से लौटता है।

दूसरी ओर, सरकार का कहना है कि पेपर लीक के मामलों में सख्त कार्रवाई की जा रही है और परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कानूनी तथा तकनीकी सुधार किए जा रहे हैं। लोकतंत्र में इन दोनों पक्षों के बीच गंभीर संवाद होना आवश्यक है, क्योंकि केवल आरोप-प्रत्यारोप से समस्या का समाधान नहीं निकलता। जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन को लेकर सरकार का रवैया भी चर्चा का विषय है। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को यह समझना चाहिए कि संवाद कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता की निशानी है। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह आंदोलनकारियों की बात सुने, चाहे उनकी सभी मांगों से सहमत हो या नहीं। उनकी बात सुनना और संवाद स्थापित करना सरकार का दायित्व अवश्य है। संवाद की कमी अक्सर आंदोलनों को लंबा खींच देती है और इससे समाज में अनावश्यक तनाव पैदा होता है। इतिहास गवाह है कि कई बार समय रहते संवाद न होने के कारण छोटे आंदोलन बड़े जनआंदोलन का रूप ले लेते हैं। जिस कारण राजनीतिक रूप से भी सरकार को नुकसान उठाना पड़ता है। जब आंदोलन लंबा और आक्रामक हो जाता है, विपक्षी राजनीतिक पार्टियों को राजनीति अवसर पैदा करती है। इसी कारण यह भी सच है कि बड़े आंदोलनों में अलग-अलग राजनीतिक दलों और वैचारिक संगठनों की उपस्थिति दिखाई देती है। जंतर-मंतर के आंदोलन को लेकर भी ऐसे दावे किए जा रहे हैं। यदि सरकार केवल इस आधार पर आंदोलन की अनदेखी करेगी कि उसमें विपक्षी या अन्य विचारधाराओं के लोग मौजूद हैं, तो मूल प्रश्न पीछे छूट जाएगा। यदि सरकार केवल राजनीतिक चश्मे से आंदोलन को देखेगी और मूल मुद्दों की अनदेखी करेगी, तो विवाद और गहरा हो सकता है। आज का सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि देश का युवा किस दिशा में जा रहा है।

बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं की अनिश्चितता, पेपर लीक, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और मानसिक तनाव पहले से ही युवाओं को प्रभावित कर रहे हैं। यदि इन परिस्थितियों में उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो असंतोष और बढ़ सकता है। यह समय सरकार के लिए संकेत है कि वह परिस्थितियों को केवल राजनीतिक नजरिए से न देखे। यदि युवाओं का असंतोष व्यापक रूप लेता है, तो उसका असर केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सामाजिक स्थिरता और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भी पड़ेगा। लोकतंत्र की सफलता इस बात से तय नहीं होती कि विरोध कितना दबाया गया, बल्कि इस बात से होती है कि विरोध की आवाज़ को कितनी गंभीरता से सुना गया। जनता और सरकार में विश्वास रहना चाहिए, संवाद रहना चाहिए। आज आवश्यकता राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में निर्णय लेने की है। इसलिए जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलनकारियों से सम्मानजनक संवाद शुरू करे। देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है। यदि वही व्यवस्था से निराश हो गए, तो यह केवल सरकार की नहीं, पूरे लोकतंत्र की हार होगी। इसलिए समय रहते संवाद स्थापित करना ही सबसे विवेकपूर्ण कदम होगा।

(लेखक शोधकर्ता एवं विचारक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

नवाचार

ऋतुपर्ण दवे

एग्रो-होम्योपैथी कृषि क्षेत्र की नई क्रान्ति

होम्योपैथी एक वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति जरूर है, लेकिन बहुत ही तेजी से लोकप्रिय भी हो रही है। यह रोगी के समग्र स्वास्थ्य जिसमें मानसिक और शारीरिक स्थिति पर ध्यान केंद्रित करके प्राकृतिक रूप से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने की ताकत होती है। होम्योपैथी को एक सुरक्षित चिकित्सा पद्धति माना जाता है, क्योंकि इससे कोई भी साइड इफेक्ट नहीं होते हैं। यही होम्योपैथी यदि कृषि के क्षेत्र में भी उपयोगी साबित हो तो इसे किसी चमत्कार से कम नहीं कहा जा सकता। इन दिनों दुनिया भर में एग्रो-होम्योपैथी को लेकर न केवल बड़े-बड़े शोध चल रहे हैं बल्कि तेजी से उपयोग भी बढ़ रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। कृषि क्षेत्र में इसका सफल प्रयोग कई दशकों से हो रहा है। इसकी शुरुआत हालांकि शौकिया तौर पर हुई, लेकिन जब इसके फायदे नजर आने लगे तो तेजी से शोध और परीक्षण भी होने लगे और लोगों की इसको लेकर उत्सुकता भी बढ़ी। अब नतीजे भी दिखने लगे हैं। होम्योपैथी दवाओं के टिंचर की कुछ बूंदें थोड़े से पानी में मनुष्यों को देकर यह विश्वास उत्पन्न किया जाता है कि यह बीमारी की जड़ तक पहुंचकर उसका समाधान करता है। बस यही फॉर्मूला कृषि क्षेत्र में भी अपनाया जा रहा है। वास्तव में होम्योपैथिक दवाएं बैक्टीरिया या कीटों को सीधे नहीं मारकर, पौधों की अपनी जैविक प्रणालियों को प्रभावित करती है जिससे वो अपना प्राकृतिक रक्षा तंत्र, जरूरत के हिसाब से विकसित और सक्रिय कर पाते हैं। एग्रीकल्चर सेक्टर में होम्योपैथी का उपयोग उसी सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें किसी बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए धीरे-धीरे डायल्यूट दवाओं से किसी बीमारी को काबू किया जाता है, जिससे वह जड़ से ही समाप्त हो जाती है। यह पौधों की आनुवंशिक गतिविधियों और चयापचय यानी मेटाबॉलिज्म में परिवर्तन की प्रक्रिया को प्रेरित कर सकता है। इससे रक्षा प्रणालियां सक्रिय होती हैं। देश में एग्रो-होम्योपैथी को लेकर पुडुचेरी प्रयोग खासा सफल और चर्चाओं में है। श्री अरबिंदो सोसाइटी (एसएएस) की अगुवाई में एक नई पहचान बन रही है। एग्रो-होम्योपैथी से दोहरा लाभ भी सामने आया। जहां पानी की खपत घटी और इस कारण भूजल स्तर भी बढ़ा। 2018 में शुरू हुई आहार परियोजना में कृषि क्षेत्र में होम्योपैथी के उपयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए शुरू हुए इस प्रोजेक्ट की सफलता का अंदाजा इसी से लगता है कि कुछ ही समय में इसे नाबार्ड और उसके बाद टाटा ट्रस्ट का समर्थन मिला। वैज्ञानिक प्रयोगों के बाद जब यह फॉर्मूला खेतों में पहुंचा तो वहां भी बेहद असरकारक रहा। पहले भिंडी उसके बाद धान की उपज में काफी सकारात्मक परिणाम आए। इससे मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ी जिससे रसायनों पर निर्भरता घटी। सर्वविदित है कि खेतों में उर्वरकों का छिड़काव करने से मिट्टी के सूक्ष्म जीवों को नुकसान होता है, लेकिन कृषि-होम्योपैथी के मिश्रण ने पत्तियों को नई जान तो दी, साथ ही पौधों की प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाई। शोधकर्ताओं ने कृषि-होम्योपैथी की लागत को बेहद सस्ती पाया। पहले जहां कृषक 20 से 30 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर रसायनों पर व्यय करता था, वहीं होम्योपैथिक दवाओं पर केवल 700 रुपये प्रति हेक्टेयर ही खर्च कर और भी बेहतर परिणाम हासिल करने लगा। यह कमाल ही था जो होम्योपैथिक दवाओं की चंद मिलीमीटर दवाओं ने सैकड़ों लीटर पानी में घुले रसायनों पर भारी पड़ कर असर दिखाया। इससे खेती में हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल रुकने से फसल की चमक और पुष्टता भी बेहतर हुई, जिससे किसानों को उपज की अच्छी कीमत मिलने लगी। होम्योपैथी दवाएं वनस्पतियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी को जबरदस्त बढ़ाती हैं। इससे वनस्पतियां, फसल होने वाली बीमारी को अपने आप ठीक कर लेते हैं। एग्रो-होम्योपैथी में अलग-अलग और बेहद सस्ती चंद मिलीमीटर दवाएं बीजों के अंकुरण से लेकर रोगों से बचाव और फूलने-फलने को बेहतर बनाने में कारगर सिद्ध हो रही है। ये दवाएं कीट प्रबंधन की दिशा में भी काफी सफल हैं। यहां तक कि फसल में वायरस या बैक्टीरिया के दुष्प्रभावों पर भी असरकारक हैं। वह दिन दूर नहीं, जब निरंतर शोध और प्रयोगों के बाद एग्रो-होम्योपैथी की भी ढेरों और अलग-अलग शाखाएं बनना तय है। यह भविष्य का वृहद कृषि पारिस्थितिकी तंत्र होगा। इसमें भी उपचारों की अलग-अलग विधियां होंगी। इतना तो तय है कि रसायनों और उर्वरकों के बोझ से आहत मिट्टी को यदि कोई नया जीवन और जहरीले तत्वों से मुक्ति दिलाएगा तो वह भविष्य का एग्रो-होम्योपैथी सेक्टर होगा। वैश्विक स्तर पर होम्योपैथी की नई शाखा यानी एग्रो-होम्योपैथी जल्द ही अपनी शानदार धमक दिखाने को तैयार है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दृष्टिकोण को बनाएं व्यापक

संकलित
दर्शन

हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे सब कुछ अच्छा करें। परीक्षाओं और प्रतियोगिताओं में लगातार जीतने की इच्छा उनके लिए जीवन से भी बड़ी हो जाती है। वे विश्वास करने लगते हैं कि हर कीमत पर जीतना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। जब उन्हें अस्वीकृति मिलती है, तब वे नहीं समझ पाते कि उन्हें क्या करना चाहिए। दरअसल, हम उन्हें विशाल दृष्टिकोण नहीं देते, तब जीवन में क्या सबसे महत्वपूर्ण है, इसके विषय में उनकी समझ असंतुलित हो जाती है। विशाल दृष्टिकोण यह है कि जीवन स्वयं में एक बहुत बड़ी परीक्षा है, जिससे होकर आप गुजर रहे हैं। ऐसा मत सोचिए कि परीक्षा में सफल या असफल हो जाने से पूरे जीवन की दिशा निर्धारित हो जाएगी। जो मूल्य एक दूसरे के विपरीत प्रतीत होते हैं, जैसे जीत या हार, सफलता या असफलता, ऊंचा या नीचा, वे वास्तव में एक दूसरे के पूरक हैं। एक मूल्य दूसरे मूल्य के महत्व को बढ़ाता है। एक विशाल आध्यात्मिक दृष्टिकोण के साथ ही युवा बिना अपनी मुस्कान और उत्साह को खोए हुए, जीवन के इन विपरीत मूल्यों की प्रशंसा करना सीख सकते हैं। ऐसी शक्ति, ऐसी मुस्कान, जिसे कोई छीन न सके और ऐसा साहस, जो विपरीत परिस्थितियों का सामना करने में भी समाप्त ना हो, वह सफलता है। युवाओं को स्वयं और समाज के लिए बड़े लक्ष्य और विशाल दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए और सेवा को जीवन का एक हिस्सा बनाना चाहिए। ऐसी प्रतिबद्धता आपको बाधाओं के पार ले जा सकती है।

गुरु की सीख से बड़ी मुश्किलें भी होती हैं दूर

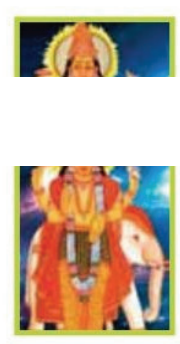

संकलित
प्रेरणा

बृहस्पति देवताओं के गुरु हैं। महाभारत के आदि पर्व के मुताबिक, बृहस्पति महर्षि अंगिरा के पुत्र हैं और अपने ज्ञान से देवताओं का मार्गदर्शन करते हैं। एक कथा है कि एक बार देवराज इंद्र की जगह राजा नहुष को स्वर्ग का राजा बनाया गया था। स्वर्ग का राजा बनते ही राजा नहुष अहंकारी हो गया। वह देवताओं को तरह-तरह से परेशान करता रहता था। सभी देवगण राजा नहुष से त्रस्त हो गए थे। इसी बीच बलशाही होने के कारण राजा नहुष के मन में इंद्र की पत्नी शची के लिए पाप आ गया। वह उसे अपनी पत्नी बनाना चाहता था। इससे डरकर शची देवगुरु बृहस्पति के पास पहुंचीं। बृहस्पति ने शची को एक योजना बताई। बृहस्पति ने शची से कहा कि आप नहुष से कहना कि जब वह सप्त ऋषियों द्वारा उठाई गई पालकी में बैठकर आएगा, तब ही वह उसे अपना स्वामी मानेगी। शची ने यही किया। बृहस्पति की योजना के अनुसार शची ने ये बात नहुष से कह दी। नहुष ने ऐसा ही किया। सप्तऋषि जब पालकी उठाकर चल रहे थे, तभी अहंकारी राजा नहुष ने एक ऋषि को लात मार दी। क्रोधित होकर ऋषि ने उसे उसी समय स्वर्ग से गिरने का शाप दे दिया। शाप के बाद राजा नहुष ने स्वर्ग का राजपाठ खो दिया। इस प्रकार देवगुरु बृहस्पति की सलाह से शची की रक्षा हो गई। गुरु की सीख से बड़ी-बड़ी मुश्किलें दूर हो सकती हैं।

सटाका

आज की पाती

रेलवे के विकास को रफ्तार

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के कुछ रेल्वे स्टेशन के आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण रेलवे स्टेशन को आमजन को समर्पित किया। यह रेलवे स्टेशन आधुनिक जैसी सुविधाओं वाला हो गया। इससे छत्तीसगढ़ के लोगों को बहुत ज्यादा फायदा होगा। केंद्र सरकार रेलवे को विकास की पटरी पर दौड़ाने के लिए निरंतर काम कर रही है और उम्मीद है कि सरकार देश के सभी रेलवे स्टेशनों की काया पलट देगी। हर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को हर सुविधा मिलेगी। केंद्र सरकार ने रेलवे का विस्तार शुरू किया है। अब तो यहां के लोगों को भी आधुनिक और नई तकनीक की ट्रेन वंदे भारत की सौगात मिली है। इसके साथ ही हाइड्रोजन ट्रेन भी विकास को दर्शाती है।

- रुहिश कुमार, रोहतक

ट्रेंड

युवा अचीवर्स को बधाई

ताशकंद, उज्बेकिस्तान में आयोजित इंटर नेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड और विलनियस, लिथुआनिया में आयोजित इंटरनेशनल बायोलॉजी ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन करने वाले हमारे होनहार युवा अचीवर्स को हार्दिक बधाई।

- **राजनाथ सिंह**, रक्षामंत्री

वांगचुक को उठाना गलत

मोदी सरकार के मुख्य सिद्धांत असत्य और हिंसा हैं। सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाना, जबकि वे अहिंसक भूख हड़ताल पर थे, गलत है। पेपर लीक, शिक्षा की बढ़ती लागत और छात्रों की आत्महत्या भारत के भविष्य के लिए गंभीर मुद्दे हैं।

- **राहुल गांधी**, सांसद, कांग्रेस

सरप्लस राज्य

हम बिजली के मामले में सरप्लस (अतिरिक्त उत्पादन करने वाले) राज्य हैं। कुछ दिन पहले पंजाब के साथ समझौता हुआ है। हम तीन साल तक पंजाब को बिजली की सप्लाई करेंगे। चंडीगढ़ में हमारी 7.19% हिस्सेदारी है। हम अपने अधिकार हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

-**सुखविंदर सिंह सुखु**, सीएम, हिमाचल प्रदेश

बौद्धिक क्षमता का परचम

देबदत्त प्रियदर्शी, हर्षित सिंघल, कबीर चिल्लर और संदीप कुची ने 58वें इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में गोल्ड मेडल जीतकर ग्लोबल मंच पर भारत की बौद्धिक क्षमता का परचम लहराया है। चारों गोल्ड मेडल विजेताओं को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

- **रेखा गुप्ता**, सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

अमेरिका में मराठी कला मंडल की 51वीं वर्षगांठ मनाई गई

अमेरिका में आयोजित मराठी कला मंडल की 51वीं वर्षगांठ के समारोह में अमेरिकी सांसद सुहास सुब्रमण्यम हाथ में केसरिया ध्वज लेकर पारंपरिक नृत्य करते नजर आए और उन्होंने भारतीय समुदाय से अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस समारोह में प्रवासी भारतीय समुदाय के सैकड़ों लोग शामिल हुए। वर्जीनिया के 10वें डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले सुब्रमण्यम ने छत्रपति शिवाजी महाराज की पारंपरिक शोभायात्रा में भी हिस्सा लिया। शनिवार को समारोह की शुरुआत पारंपरिक ढोल-ताशे की गूंज के बीच निकली इस शोभायात्रा से हुई। वर्जीनिया से अमेरिकी सीनेटर मार्क वॉर्नर और मिशिगन से कांग्रेस सदस्य श्री थानेदार ने समारोह के लिए अपने बधाई संदेश भेजे, जिन्हें वर्जीनिया के लीसबर्ग में आयोजित कार्यक्रम में पढ़कर सुनाया गया। सुब्रमण्यम ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा, 'जब आप अपने देश से दूर किसी दूसरे देश में रहते हैं, तब अपनी परंपराओं को जीवित रखना आसान नहीं होता। लेकिन हमारी परंपराएं बेहद महत्वपूर्ण हैं और अगली पीढ़ी ही इन्हें आगे बढ़ाएगी।' उन्होंने कहा, मैं आप सभी का आभारी हूं कि आप हमारे समुदाय को अपनी समृद्ध परंपराओं और अपने उत्कृष्ट कार्यों से परिचित करा रहे हैं।

ऑफ बीट

आज सबसे बड़ी चुनौती बन रहे 'सूक्ष्म प्लास्टिक कण'

सूक्ष्म प्लास्टिक कण (माइक्रोप्लास्टिक) आज दुनिया के सामने सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक है। ये समुद्रों, पीने के पानी, समुद्री भोजन और हमारी सांसों की हवा में तो पहले ही मिल चुके हैं। अब ये मानव शरीर के लगभग हर हिस्से- प्लेसेंटा (गर्भनाल) से लेकर मस्तिष्क तक में भी पाए जा रहे हैं। एक नए अध्ययन ने इस सूची में एक और अंग जोड़ दिया है- हृदय को रक्त पहुंचाने वाली कोरोनरी धमनियां। हालांकि कोरोनरी रक्त में सूक्ष्म प्लास्टिक कण का मिलना चिंता का विषय है, लेकिन अध्ययन का सबसे दिलचस्प निष्कर्ष प्लास्टिक नहीं, बल्कि यह है कि ये वहां तक पहुंच कैसे रहे हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि धूम्रपान करने वाले लोगों में, धूम्रपान न करने वालों की तुलना में हृदय को रक्त पहुंचाने वाली धमनियों में सूक्ष्म प्लास्टिक और अति सूक्ष्म प्लास्टिक कण पाए जाने की आशंका छह गुना अधिक थी। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह रही कि जो लोग धूम्रपान करते थे और साथ ही अत्याधिक प्रदूषित माहौल में रहे, उनमें से हर व्यक्ति के रक्त में प्लास्टिक के कण पाए गए। इसके विपरीत, जो लोग न तो धूम्रपान करते थे और न ही अधिक प्रदूषित माहौल में रहते थे, उनमें केवल 12 .5 प्रतिशत लोगों के रक्त में ऐसे कण मिले।

जम्मू-कश्मीर में बारिश ने मचाई भारी तबाही, चहुंओर नुकसान और किसान परेशान

गांदरबल में बादल फटने से कई घर, कृषि भूमि और बाग-बगीचे क्षतिग्रस्त, एक ही परिवार के 7 की मौत

कारगिल में फ्लैश फ्लड ने बरपाया कहर

एजेंसी ▶▶ गांदरबल

जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश ने कई इलाकों में भारी तबाही मचाई है। सोमवार को गांदरबल जिले के सफापोरा स्थित शेख मोहल्ला में बादल फटने की घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कारगिल में आए फ्लैश फ्लड ने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है। कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जबकि कृषि भूमि और बाग-बगीचों को भी भारी नुकसान हुआ है। सफापोरा के शेख मोहल्ला में अचानक बादल फटने के बाद तेज बहाव के साथ पानी और मलबा रिहाइशी इलाके में घुस गया। इससे स्थानीय संपत्तियों को नुकसान पहुंचा और लोगों का सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया। घटना के बाद प्रशासन ने हालात का जायजा लेना शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रभावित परिवारों को जल्द राहत उपलब्ध कराने और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे को शीघ्र बहाल करने की मांग की है।

पुंछ में भूस्खलन की चपेट में आया मकान

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 7 लोगों की मौत हो गई। रविवार को भी यहां भूस्खलन हुआ था। भाजपा के अध्यक्ष रवींद्र रैना ने घटना पर दुख जताते हुए लिखा कि पुंछ में एक घर गिर गया, जिसमें एक परिवार फंस गया। इस घटना में 6-7 लोगों की मौत होने की आशंका है।

कारगिल में कई पेड़ बह गए, मकान धराशायी

कारगिल में फ्लैश फ्लड ने कई इलाकों में तबाही मचाई है। बाढ़ के तेज बहाव से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए जबकि बड़ी मात्रा में कृषि भूमि, खेत और बाग-बगीचे प्रभावित हुए हैं। तेज पानी के बहाव में बड़ी संख्या में पेड़ भी उखड़कर बह गए, जिससे पर्यावरण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचा है।कई परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।नुकसान से किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। प्रशासन और राहत एजेंसियां प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कर नुकसान का आकलन कर रही हैं।

हिमाचल में 3 जगह बादल फटे — पांगी और लाहुल में 3 पुल बहे, लोगों ने भागकर बचाई जान

चंबा/मनाली। हिमाचल प्रदेश में मौसम कड़े तेवर दिखा रहा है। जिला चंबा के जनजातीय उपमंडल पांगी में सोमवार को 3 जगह बादल फटे। हिलु, उदीन और थांदल क्षेत्रों में बादल फटने के बाद संबंधित नालों में अचानक फ्लैश फ्लड आ गया, जिससे आसपास के क्षेत्रों में भारी तबाही मची है। उदीन नाले और हिलु नाले पर बने छोटे पुल भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। स्थानीय लोगों की आवाजाही प्रभावित हो गई है। सड़कों को भी भारी नुकसान हुआ है। लोगों ने भागकर जान बचाई। जिला लाहुल-स्पीति के जाहलमा नाले में आई बाढ़ से अस्थायी पुल बह गया है। इस कारण तांदी

संसारी मार्ग बंद हो गया है। उदयपुर उपमंडल सहित पांगी का लाहुल घाटी से संपर्क कट गया है।

फ्लड से फसलों को नुकसान

पांगी में फ्लैश फ्लड की चपेट में आने से हिलु, उदीन और थांदल गांवों में किसानों की नगदी एवं मौसमी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। तेज बहाव के कारण खेतों में खड़ी फसलें और कृषि भूमि प्रभावित हुई हैं, जिससे किसानों को आर्थिक क्षति होने का अनुमान है।

असम में बाढ़ से 1.7 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित, सेना ने ऑपरेशन जल राहत चलाया

गुवाहाटी। भारी बारिश के कारण गुवाहाटी के कई हिस्सों में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे कई निचले इलाके पूरी तरह से जलमग्न हो गए। मेघालय की पहाड़ियों से आने वाले पानी और वशिष्ठ नदी का जलस्तर बढ़ने से यह गंभीर स्थिति पैदा हुई है। रविवार को असम में बाढ़ की स्थिति और भी बिगड़ गई। पूर्वी और ऊपरी असम में बाढ़ का पानी सैकड़ों गांवों में घुस गया है। रेल संपर्क टूट गया है और हालात को काबू में करने के लिए सेना को बचाव कार्यों में तेजी लाते हुए ऑपरेशन जल राहत शुरू करना पड़ा है। 12 जिलों और 30 राजस्व मंडलों के 580 गांव बाढ़ की चपेट में हैं, जिससे 1.7 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। 10,362 हेक्टेयर की खड़ी पानी में डूब गई है।

बॉम्बे हाई कोर्ट का अहम फैसला

मुंबईःबॉम्बे उच्च न्यायालय ने डिम्ड कन्वेयंस से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में एक सहकारी गृहनिर्माण संस्था (हाउसिंग सोसायटी) को जारी किया गया डीम्ड कन्वेयंस प्रमाणपत्र रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति एस. वी. मारणे ने 7 जुलाई 2026 को दिए अपने आदेश में ए. एच. वाडिया ट्रस्ट द्वारा दायर रिट याचिका स्वीकार करते हुए सक्षम प्राधिकारी के आदेश को निरस्त कर दिया। याचिका में सहकारी गृहनिर्माण संस्था के नाम पर एकतरफा जारी किए गए डीम्ड कन्वेयंस प्रमाणपत्र को चुनौती दी गई थी। इस मामले में ए. एच. वाडिया ट्रस्ट की ओर से अधिवक्ता अभिषेक सावंत, अधिवक्ता लेवी रुबेन्स और अधिवक्ता योहान रुबेन्स (एल. आर. एंड एसोसिएट्स) ने न्यायालय में पक्ष रखा। न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र ओनरशिप फ्लैट्स अधिनियम के तहत प्रवर्तक (प्रमोटर) के पास जितने अधिकार हैं, डीम्ड कन्वेयंस के माध्यम से सहकारी संस्था को उससे अधिक अधिकार नहीं दिए जा सकते। न्यायालय ने अपने अवलोकन में कहा कि संबंधित प्रवर्तक के पास केवल लीजहोल्ड अधिकार थे। इसलिए सहकारी संस्था उस भूमि पर पूर्ण फ्रीहोल्ड स्वामित्व का दावा नहीं कर सकती।

विकलांग पेंशन आनी थी 45 00 आई 3000 जनपद में दिव्यांग के साथ धोखा

चित्रकूट ।जनपद में लगभग 25000 दिव्यांगजन है उत्तर प्रदेश सरकार पहले से 1000 मासिक पेंशन देती थी। अभी कुछ दिनों पहले मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश का एक विधानसभा से वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उन्होंने कहा था कि हम पेंशन बढ़ाएंगे। दिव्यांग जनों को सोशल मीडिया के द्वारा जानकारी मिली कि 1500 प्रतिमाह दिव्यांगों का पेंशन मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ का वीडियो जिसमें उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपए का बोझ हमें पेंशन में पैसा बढ़ाने से आएगा। आज वर्तमान में महंगाई इतना बढ़ गई है कि दिव्यांग के लिए 1000 माह कुछ भी नहीं।

दक्षिण कोरिया में वर्ल्ड ताइक्वांडो कल्चर एक्सपो में जयेश ट्रेनिंग क्लासेस का ऐतिहासिक प्रदर्शन

मुंबईःदक्षिण कोरिया के ताइक्वांडोवन में 17 से 20 जुलाई तक आयोजित प्रतिष्ठित वर्ल्ड ताइक्वांडो कल्चर एक्सपो 2026 अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में मुंबई के जयेश ट्रेनिंग क्लासेस के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का तिरंगा गर्व से लहराया।दुनिया भर से लगभग 2,500 से 3,000 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। जयेश ट्रेनिंग क्लासेस के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कुल 23 स्वर्ण, 11 रजत और 2 कांस्य पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पूमसे और क्योरुगी दोनों वर्गों में 8, 10, 12, 14 और 17 वर्ष से कम आयु वर्ग के साथ-साथ वरिष्ठ वर्ग के खिलाड़ियों ने भी भाग लिया।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202605330400015
विषय- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
मनेन्द्रगढ प.ह.न. 00014 [324/1 (वार्ड क्र.03 शीट-1) (1300.00 हे0)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार सुषमा कछवाहा.

अनावेदक पक्षकार - सुनिल कुमार कछवाहा.

ज्ञापन

क्र.709/वाचक 04/2026 मनेन्द्रगढ़ 20-07-2026

प्रति. राजस्व निरीक्षक (नजूल) मनेन्द्रगढ़, जिला-एम०सी०बी०

विषयः- जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने बाबत।

आवेदिका सुषमा कछवाहा आ० बिहारीलाल कछवाहा, निवासी वार्ड नंबर 43, फल मार्केट के पीछे, चांटीडीह, बिलासपुर. जिला-बिलासपुर (छ०ग०) द्वारा नगर मनेन्द्रगढ़ स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 324/1 रकबा 1300 वर्गफुट भूमि के नजूल अभिलेखों में से मृत सहखातेदार बिहारीलाल कछवाहा का नाम विलोपित कर अनावेदक सुनील कुमार कछवाहा का नाम यथावत रखते आवेदिका का नाम फौती नामान्तरण के तहत सहखातेदार के रूप में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः आप उक्त संबंध में जांच कर प्रतिवेदन मय अभिमत आगामी पेशी तारीख 23.07.2026 के पूर्व इस न्यायालय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। यह ज्ञापन मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 07/07/2026 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मनेन्द्रगढ़

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका प्रीतम चंद अग्रवाल आ०/पति नान्हू राम अग्रवाल जाति, निवासी रायगढ़ रोड पत्थलगांव, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-खरसिया रोड़, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2824/9 रकबा 630 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31. 3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 28/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 13/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सुरेश कुमार अग्रवाल आ०/ पति ओमप्रकाश अग्रवाल जाति, निवासी ब्रम्ह रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-राममंदिर मैदान, शीट नम्बर-11क नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3196/4813/61 रकबा 0.03 1/2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 31/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है।नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 17/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका जवाहर लाल अग्रवाल आ०/पति स्व० रामकिशुन दास अग्रवाल व 03 अन्य जाति, निवासी पुराना बस स्टैण्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला राममंदिर मैदान, शीट नम्बर-11क नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3196/4813/39 रकबा 0.03 1/2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 31/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है।नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।आज दिनांकः- 17/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम प.ह.न.
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामसुंदर देवांगन पिता चंदू देवांगन जाति पनिका निवासी ग्राम महुली प.ह.न. रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्री सपना देवांगन का जन्म दिनांक 9/10/2020 को ग्राम महुली में हुई है अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्री सपना देवांगन का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत महुली को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 03/08/2026.तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 20/07/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

शपथ पत्र

मैं भूपेन्द्र प्ररसद राजवाडे (Bhupendra Prasad Rajwade) आ. सूरज प्रसाद राजवाडे, आयु लगभग 47 वर्ष निवासी ग्राम (पटेलपारा) दुरती, जिला सूरजपुर ७०ग० का निम्न आशय का शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि में उपरोक्त परो मुल निवासी हूँ। कि मेरे आधार कार्ड माय- 027205157918 में मेरे नाम के स्थान पर सूरज प्रसाद राजवाडे पिता सूरज प्रसाद राजवाडे दर्ज है . यह है कि मेरा वास्तविक नाम भूपेन्द्र प्रसाद राजवाडे आ० सूरज प्रसाद राजवाडे है जो मेरे पुत्र एवं पुत्रियो यो शैक्षणिक प्रमीग-पत्रों में दर्ज है। यह कि मेरा जन्म दिनोंक-01/01/1983 अंककित है जो गलत है मेरा जान्न दिनोंक-10/09/1979 मेरे अंवत्सूची में दर्ज है मेरे आधार में जन्म तिथि दर्ज करें। यह कि मेरा अपने वास्तविक नाम भूपेन्द्र प्रसाद राजवाडे (Bhupendra Prasad Rajwade) आ. सूरज प्रसाद राजवाडे, आयु लगभग 47 वर्ष निवासी ग्राम (पटेलपारा) दुस्ती, जिला सूरजपुर छ०ग० के नाम से जाना व पहचाना पुकारा जाता है एव दस्तावेज में जिसके संबंध में मैं अपना स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका श्रीमती प्रभा देवी आ०/पति राजकुमार गुप्ता जाति निवासी सदर रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-बरेजपारा, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2602/44 रकबा 0.11 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 30/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 16/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आशुतोष खत्री आ०स्व० मदनलाल खत्री द्वारा मुख्तार आम ऋषभ बंसल आ०सुभाषचंद बंसल निवासी जयस्तम्भ चौक अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4430 रकबा 0.081 हे0 मेसे रकबा 0.019 हे0 भूमि को अनावेदक शिवांगी अग्रवाल पत्नी सुरेन्द्र अग्रवाल निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग० के पास निजी कार्य हेतु रूपयो की आवश्यकता होने के कारण अंकन राशि 12,00,000/- मे सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 10/08/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः-17/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आशुतोष खत्री आ०स्व० मदनलाल खत्री द्वारा मुख्तार आम ऋषभ बंसल आ०सुभाषचंद बंसल निवासी जयस्तम्भ चौक अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4430 रकबा 0.081 हे0 मेसे रकबा 0.046 हे0 भूमि को अनावेदक महेन्द्र कुमार अग्रवाल आ० फूल कुमार अग्रवाल निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास निजी कार्य हेतु रूपयो की आवश्यकता होने के कारण अंकन राशि 30,00,000/- मे सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को तहसील कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 10/08/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 17/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार लिंक कोर्ट जरही, तहसील-प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)
दैनिक समाचार पत्र मे प्रकाशन
(रा०प्र०के०-202602260100006)

सर्व साधारण को एतद द्वारा नगर पंचायत जरही को सूचित किया जाता है कि आवेदक/विभाग सचिव कृषि उपज मण्डी समिति प्रतापपुर के पत्र दिनांक 12.01.2026 के माध्यम से नगर पंचायत जरही में सब्जी मंडी हेतु उपयुक्त शासकीय भूमि कृषि उपज मंडी समिति प्रतापपुर के नाम पर आबंटित करने का निवेदन किया गया है। आवेदित प्रयोजन हेतु नगर पंचायत जरही स्थित भूमि खसरा क्रमांक 790/1 कुल रकबा 1.99 हे0 में से 0.40 हे0 भूमि का चयन कर भूमि आवंटन / हस्तांतरण की कार्यवाही पूर्ण किये जाने के संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो, तो अपना आपत्ति स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 20/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। यह उदघोषणा आज दिनांक 14/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया है।

नायब तहसीलदार
जरही, तहसील-प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राघवेन्द्र प्रताप सिंह आ.स्व. हरिहर प्रताप सिंह निवासी ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग० के द्वारा के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 323/334/1 मेसे रकबा 0.016 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 20.05.1987 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 28.07.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 13/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम -केवरा प.ह.न. 12
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शम्भू सिंह पिता देवमन जाति गोड़ निवासी ग्राम केवरा प.ह.न.12 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / पुत्री मटुकधारी का जन्म दिनांक 20/01/2000 को ग्राम केवरा में हुई है। अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री मटुकधारी का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत केवरा को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 23/07/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 14/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

नायब तहसीलदार
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आशुतोष खत्री आ०स्व० मदनलाल खत्री द्वारा मुख्तार आम ऋषभ बंसल आ०सुभाषचंद बंसल निवासी जयस्तम्भ चौक अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4430 रकबा 0.081 हे0 मेसे रकबा 0.016 हे0 भूमि को अनावेदक पुष्पराज सिंघल आ० ओमप्रकाश सिंघल निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास निजी कार्य हेतु रूपयो की आवश्यकता होने के कारण अंकन राशि 10,00,000/- मे सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 10/08/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 17/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
क्रमांक एफ-127/ खाद्य-दुकान आबं./50/2026 ..सूरजपुर दिनांक 30/6/2026
ईश्तहार

कार्यालयीन ईस्तहार दिनांक 10.06.2026 के माध्यम से उचित मूल्य दूकान कोरेया आई डी 392009040 के नवीन आबंटन किये जाने हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया है। उक्त ईस्तहार में नियत समय सीमा में अपरिहार्य कारणों से वृद्धि किया जाता है। अतः एतद् द्वारा आमजनों, सहकारी समितियों, वृहदाकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समिति (लेम्पस), प्राथमिक कृषि साख समिति, वन सुरक्षा समिति, महिला स्वयं सहायता समूह, ग्राम पंचायत, अन्य उपभोक्ता सहकारी समिति तथा स्थानीय नगरीय निकाय को सूचित किया जाता है कि उचित मूल्य दुकान कोरेया आई.डी. 392009040 विकासखंड सूरजपुर के शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन करने के इच्छुक पात्र संस्था अपना आवेदन दिनांक 30.7.2026 कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक इस कार्यालय में उपस्थित होकर निर्धारित प्रारूप में संस्था के प्रस्ताव सहित अन्य स्वप्रमाणित दस्तावेजो के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। पूर्व में प्रस्तुत आवेदन को दुकान आबंटन की प्रक्रिया में शामिल किया जावेगा। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नही किया जायेगा। आज दिनांक 30. 6. 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सूरजपुर
जिला सूरजपुर (छ.ग.)

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

अमेरिकी रॉक बैंड 'गन एंड रोजेज' की धुन पर थिरकेंगे भारतीय फैंस

पिछले कुछ वर्षों से कई इंटरनेशनल म्यूजिक बैंड भारत में आकर परफॉर्म कर रहे हैं। जल्द ही अमेरिकी रॉक बैंड 'गन एंड रोजेज' भी अपना इंडिया टूर करेगा।

रॉक बैंड 'गन एंड रोजेज' को 'नवंबर रेन' और 'वेलकम टू द जंगल' जैसे मशहूर गानों के लिए जाना जाता है। यह अमेरिकी म्यूजिक बैंड जल्द ही भारत में भी परफॉर्म करेगा। भारत के कई बड़े शहरों में इनका कॉन्सर्ट होगा। इनका कॉन्सर्ट शेड्यूल भी सामने आ चुका है। रॉक बैंड 'गन एंड रोजेज' दूसरी बार कॉन्सर्ट करने के लिए भारत आ रहे हैं।

रॉक बैंड 'गन एंड रोजेज' वर्ल्ड टूर पर हैं। दुनिया भर के अलावा वह भारत में आकर भी परफॉर्म करेंगे। इनका पहला कॉन्सर्ट 14 नवंबर को बंगलूरू और 17 नवंबर को गुवाहाटी में होगा। फैंस बुकमायशो के जरिए इस कॉन्सर्ट के टिकट बुक कर सकते हैं।

'गन एंड रोजेज' म्यूजिक बैंड में एक्सल रोज, स्लैश, डफ मैककेगन, रिचर्ड फोर्टस, डिजी रीड, मेलिसा रीस और इसाक कारपेंटर शामिल हैं। यह बैंड 1985 में लॉस एंजिल्स में बना था। 1987 में पहले स्टूडियो एल्बम 'एपेटाइट फॉर डिस्ट्रक्शन' के साथ इस बैंड को बड़ी कामयाबी मिली। कई वर्षों के दौरान इस म्यूजिक बैंड के सदस्यों में बदलाव होते रहे हैं। एक्सल रोज ही एकमात्र ऐसे सदस्य हैं जो बैंड के बनने के समय से ही इसमें शामिल हैं। वह अब भी बैंड का हिस्सा हैं।

टॉलीवुड

'नागबंधम' का ट्रेलर रिलीज, वीएफएक्स और धमाकेदार एक्शन से दिखाई कहानी

शनिवार को 'नागबंधम' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर देखकर इस पैन इंडिया फिल्म के लिए दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ सकती है।

पैन-इंडियन फिल्म 'नागबंधन' का धमाकेदार हिंदी ट्रेलर मेकर्स ने सोशल मीडिया पर साझा किया। ट्रेलर में फिल्म की कहानी की झलक और जबरदस्त वीएफएक्स और एक्शन देखने को मिला है। फिल्म 'नागबंधन' के ट्रेलर में ब्रह्म कमल को पाने के लिए खलनायक हर हद पार करता है, कई लोगों की हत्या तक करता है। लेकिन ब्रह्म कमल की रक्षा कुछ रक्षक कर रहे हैं। खलनायक और उन रक्षकों के बीच खूनी संघर्ष होता है। फिल्म में एक्शन सीन्स कमाल के हैं, पौराणिक कथा और दिव्य शक्तियों को दिखाने के लिए वीएफएक्स का इस्तेमाल किया है। फिल्म 'नागबंधन' में विराट करण, ऋषभ सावनी, ऐश्वर्या मेनन, दक्ष नागरकर, महेश मांजरेकर और जगपति बाबू मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को अभिषेक नामा ने निर्देशित किया। यह फिल्म 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भोजपुरी

वेलकम' के गीत 'किया किया' का भोजपुरी वर्जन रिलीज होते ही छा गया

भोजपुरी गाने ताजगी तो भरते ही हैं, साथ ही झूमने पर मजबूर कर देते हैं। हाल ही में फेमस सिंगर मृत्युंजय कुमार ने अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम' का गाना 'किया किया' का भोजपुरी वर्जन रिलीज किया है।

भोजपुरी इंडस्ट्री भी गाने बनाने के मामले में बॉलीवुड से पीछे नहीं है। हर रोज एक से बढ़कर एक गाने रिलीज होते हैं और लोग उन्हें देखकर मजे भी लेते हैं। भोजपुरी स्टार्स को तो हर कोई जानता है, लेकिन सोशल मीडिया के जरिए फेमस होने वाले सिंगर्स की अपनी अलग ही पहचान है। जहां फूहड़ता को लेकर हमेशा विवादों में घिरी भोजपुरी भाषा और इसके गानों पर सवाल उठाए जाते हैं, वहीं सिंगर मृत्युंजय कुमार अपने गानों से लोगों का दिल जीत लेते हैं।

भोजपुरी के जाने-माने सिंगर मृत्युंजय कुमार ने अपने इंस्टा पर एक गाने गाकर अपलोड किया है जिसकी खूब तारीफ हो रही है। उन्होंने अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम' का गाना 'किया किया' का फीमेल सिंगर की तरफ से जवाब दिया है, लेकिन भोजपुरी गाने के जरिए। हालांकि, उन्होंने गाना अपनी आवाज में गाया है।

वीडियो में मृत्युंजय कुमार कहते हैं, ये फेमस गाना तो आपने सुना ही होगा, तो अब इसका एक भोजपुरी वर्जन सुनिए। इसके लिरिक्स हैं, 'लाखों में एके पाई गईनी सजन, चांद मोरा सईंया, हईं चकोरी हम।' गाने पर उनके फैंस के खूब सारे रिएक्शन आए हैं और सबने खूब तारीफ भी की है।

गाने पर अब तक 1.2 मिलियन से भी अधिक व्यूज मिल चुके हैं। एक फैन ने कमेंट सेक्शन में लिखा- भाई कमाल कर दिया। एक ने कहा- भोजपुरी गाना सुनकर मजा आ जाता है। एक ने लिखा- आपका गाया हर गाना ताजगी भर देता है।

अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम' के गाने 'किया किया' की बात करें, तो इसे यूट्यूब पर अब तक 140 मिलियन से अधिक व्यूज मिले हैं। गाने में अक्षय कुमार और कटरीना कैफ थे। साथ ही, नाना पाटेकर, अनिल कपूर और मल्लिका शेरावत ने भी एक्ट और डांस किया था।

लाइफ स्टाइल

बदलाव की आहट

"एक समय था जब फ़ैशन को सिर्फ़ रेड कार्पेट पर चलने वाले लोगों के लिए ही माना जाता था, लेकिन समय के साथ फ़ैशन की परिभाषा बदल गई है। आज फ़ैशन का मतलब सिर्फ़ शानदार सूट, टक्सीडो और बेहतरीन ड्रेस पहनना ही नहीं है, बल्कि आप जो कुछ भी पहनते हैं, वह सब फ़ैशन का ही हिस्सा है। फ़ैशन अब हर किसी के लिए है—चाहे कोई भी क्लास, समाज, उम्र, जेंडर या स्टेटस हो। इंसानी तरक्की और आधुनिकीकरण ने फ़ैशन इंडस्ट्री को और बड़ा दायरा दिया है।

चेहरा निखारेगा हिबिस्कस, बालों में आएगी नई जान

चेहरे को निखारने या फेस पैक में मिलाने के लिए गुलाब जल का इस्तेमाल तो लगभग सभी करते हैं। यहीं नही गुलाब के तेल से चेहरे को नई कांति मिलती हैं। लेकिन केवल गुलाब ही नहीं बल्कि लाल गुड़हल (हिबिस्कस) के फूल से भी चेहरे और बालों की सुंदरता को निखारा जा सकता है।

त्वचा की झुर्रियों को मिटाने में मददगार

गुड़हल की पत्तियों में एंटी एजिंग गुण होता है जो त्वचा में आने वाली झुर्रियों को दूर करने में मदद करता है। इसकी पत्तियों में फ्री रेडिकल्स को हटाने की क्षमता होती है जो उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर देती है। जिससे स्किन जवां नजर आती है।

ऐसे करें इस्तेमाल

गुड़हल की पंखुड़ियों को उबालकर अच्छे से पीस लें। अब इसमें शहद मिलाकर पेस्ट बना लें और हल्के हाथों से चेहरे पर लेप की तरह लगाकर छोड़ दें। 15 से 20 मिनट बाद ठंडे पानी से धोकर चेहरा साफ कर लें। कुछ ही दिनों में आपको बेदाग गोरापन और रिंकल फ्री त्वचा मिलेगी।

बालों के लिए है फायदेमंद

गुड़हल के फूल से बालों की देखभाल की जा सकती है। बाजार में कई सारे शैंपू आते हैं जिसमें गुड़हल के फूल का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन आप घर पर बने तेल की मदद से लंबे और घने बाल पा सकती

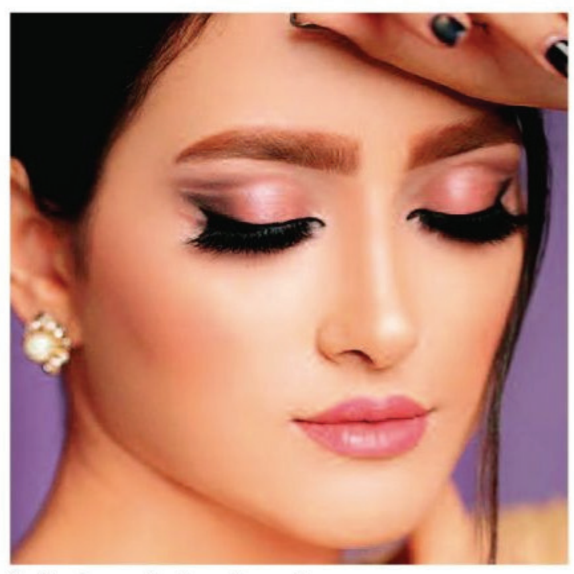

हैं। तो चलिए जानें इसे बनाने का तरीका।

लंबे और घने बालों के लिए गुड़हल की पंखुड़ियों से बनाए पैक की मदद ली जा सकती है। इस पैक को बनाने का तरीका शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत ने बताया था।

कुछ खास है कुर्ती के डिजाइन, ऑफिस ही नहीं कॉलेज में पहनने के लिए भी है बेस्ट

लंबी हाइट वाली लड़कियां हमेशा अपने आउटफिट को लेकर कंफ्यूज करती है। ऐसे में अगर आपकी हाइट भी लंबी है और आप पहनने के लिए आउटफिट तलाश रही हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। यह खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती है। आज हम आपको कुछ ऐसी लेटेस्ट लोग कुर्ती सेट बताएंगे, जिसे आप पहनकर अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंटेड गोटा पट्टी फ्लोरल कुर्ती

अगर आपकी हाइट लंबी है और आप भी अपनी लंबी हाइट के हिसाब से खूबसूरत आउटफिट देख रही हैं, तो आपके लिए यह खूबसूरत फ्लोरल प्रिंटेड गोटा पट्टी फ्लोरल कुर्ती एक बेस्ट ऑप्शन हो सकती है। आप इस खूबसूरत कुर्ती को पहनकर किसी हसीना से कम नहीं लगेगी। इस तरह की कुर्ती को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंटेड प्योर कॉटन कुर्ती सेट

आप चाहे तो ऐसी कुर्ती को भी अपने बाकी आउटफिट के साथ शामिल कर सकती हैं। इस तरह का फ्लोरल प्रिंटेड प्योर कॉटन कुर्ती सेटलंबी लड़कियों के लिए बेस्ट हो सकती हैं। ऐसी कुर्ती को आप बाजार से कपड़ा लाकर बनवा सकती हैं या ऑनलाइन भी खरीद सकती हैं। आप इस तरह की कुर्ती को अपने ऑफिस या कॉलेज में पहनकर जा सकती हैं।

मैरून सॉलिड कॉटन कुर्ती

यही नहीं अपने लुक को गॉर्जियस बनाने के लिए भी आप इस खूबसूरत मैरून सॉलिड कॉटन कुर्ती को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती न सिर्फ आपके लुक को एलिगेंट टच देगी, बल्कि इसे पहनकर आप कंफर्टेबल महसूस कर सकती हैं।

बेटी या बहू का कन्यादान में जरूर दें सोने की नथ

अधिकतर महिलाएं अपनी बेटी के लिए सोने की ज्वेलरी जरूर बनवाती है। ऐसे में अगर आप भी अपनी बेटी या बहू को गिफ्ट में गोल्ड ज्वेलरी देने का सोच रही हैं, तो अब आपको कंफ्यूज होने की जरूरत नहीं हैं। ये खबर आपके लिए बेस्ट हो सकती हैं। आज हम आपको ऐसी गोल्ड नथ डिजाइन के बारे में बताएंगे, जिसे देखते ही आपकी बच्ची खुश हो जाएगी।

फ्लोरल डिजाइन नथ

सोने के भाव में उतार-चढ़ाव होता रहता है। ऐसे में हर मां चाहती है, कि सोने का भाव बढे उससे पहले ही अपनी बेटी और बहु को सोने की ज्वेलरी गिफ्ट दे दें। अब आप अपनी बेटी को इस तरह की खूबसूरत सोने की फ्लोरल डिजाइन नथतोहफे में दे सकती हैं। ऐसी नथ डिजाइन उनके चेहरे की खूबसूरती को बढ़ा देगी। आप इस तरह की नथ डिजाइन को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती हैं।

फ्लावर एंड लीफ नथ डिजाइन

अगर आप इन्वेस्टमेंट के तौर पर अपनी बेटी या बहू के लिए गोल्ड की ज्वेलरी बनाने का सोच रही हैं, तो आप उन्हें इस तरह की खूबसूरत फ्लावर एंड लीफ नथ डिजाइन भी गिफ्ट में दे सकती हैं। इस नथ की डिजाइन इतनी खूबसूरत है, की घर में मौजूद हर कोई इस नथ की तारीफ करने पर मजबूर हो जाएगा। इस तरह की नथ को आप सुनार के यहां बनवा सकती है या ऑनलाइन भी खरीद सकती हैं। यही नहीं अगर आप गोल्ड नथ बनवा कर अपनी बेटी या बहु को देने वाली हैं, तो इस तरह की खूबसूरत लीफ डिजाइन नथ उनके लिए बेस्ट हो सकती हैं।

नाइट पार्टी के लिए खुद को ऐसे करें तैयार

आजकल की युवा पीढ़ी अपनी व्यस्त जीवनशैली में दोस्तों और अपनों के साथ समय बिताने के लिए पार्टी करना काफी पसंद करती है। ऐसे में आजकल नाइट पार्टी का चलन युवाओं के बीच काफी बढ़ गया है। पार्टी में सिर्फ अपनों से मिलना ही नहीं बल्कि सोशल मीडिया पर पोस्ट करने और यादों के पिटारे में कैद करने के लिए कई सारी तस्वीरें खींचने का भी मौका मिलता है, जिसके लिए सही लुक का होना काफी जरूरी होता है। इसी कड़ी में आपको सही नाइट पार्टी लुक के लिए कुछ अच्छे मेकअप प्रोडक्ट्स की जानकारी होनी चाहिए। इन चीजों के साथ आप तरह-तरह का मेकअप लुक ले सकती हैं और खुद को हर तरह की पार्टी के लिए तैयार कर सकती हैं। यहां आपको कुछ ब्रांडेड प्रोडक्ट्स की जानकारी भी मिल जाएगी जिनका इस्तेमाल रात की पार्टी के लिए काफी प्यारा लुक लेने के लिए किया जा सकता है। आपके ब्यूटी बास्केट का अहम हिस्सा बनते हुए ये प्रोडक्ट्स सिर्फ रात की पार्टी के लिए ही नहीं, बल्कि अलग-अलग अवसरों पर भी प्यारा लुक देने में मदद करेंगे।

किन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करके सही नाइट पार्टी लुक लिया जा सकता है?

रात की पार्टी के लिए अगर आपको एक आकर्षक और

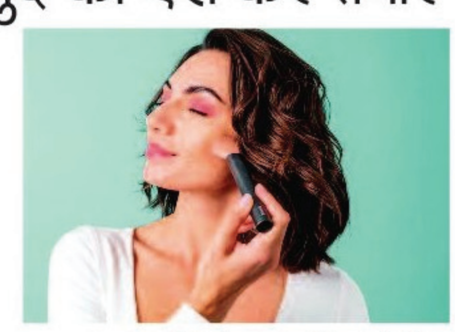

शानदार लुक चाहिए तो आप सीमित चीजों का इस्तेमाल करके ही मनचाहा लुक पा सकती हैं। सही बेस के लिए आपको अच्छे प्राइमर, फाउंडेशन, कंसलीर और पाउडर की जरूरत होगी। उसके बाद आंखों को सुंदर दिखाने के लिए आप अलग-अलग रंग के आईशैडो, लाइनर, काजल और मस्कारा का इस्तेमाल कर सकती हैं। इनके साथ आप मनचाहा आई मेकअप कर सकती हैं और पार्टी के लिए खुद को तैयार कर सकती हैं। अपने होठों को आकर्षक दिखाने के लिए आप अलग-अलग रंग की लिपस्टिक, लाइनर और ग्लॉस का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप अपने मेकअप और कपड़ों के हिसाब से सही लिपस्टिक रंग का चुनाव कर सकती हैं।

कार्नर न्यूज

कंटोर मेकअप की जगह अब ब्लश ने ले ली

फ्रेश और ग्लोइंग लुक के लिए अंडर-आई ब्लश कर रहा ट्रेंडिंग, जरूर आजमाइए इसे

आज से कुछ साल पहले तक कंटोर मेकअप छाया हुआ था, मगर अब ब्लश ने उसकी जगह ले ली है। नया मेकअप ट्रेंड कहता है कि आप ब्लश को केवल गालों पर नहीं, आंखों के नीचे भी लगाएं। ज्यादा मेकअप न करने वालों के लिए यह बेस्ट ऑप्शन है, क्योंकि अंडर आई ब्लश तुरंत हेल्दी और फ्रेश लुक दे सकता है।

क्या है ब्लश ट्रेंड

अंडर आई ब्लश में ब्लश को आंखों के ठीक नीचे और चीकबोन के ऊपरी हिस्से पर लगाया जाता है। यह प्लेसमेंट चेहरे के मिड एरिया को हाईलाइट करती है और नेचुरल फ्लश जैसा इफेक्ट देती है। शुरुआत में यह थोड़ा अलग या ओवर लग सकता है, लेकिन सही तरीके से ब्लेंड करने पर यह बेहद सॉफ्ट और खूबसूरत दिखता है।

सबकी पसंद बन रहा

आजकल 'नो मेकअप लुक', 'सॉफ्ट ग्लैम' और 'नेचुरल ब्यूटी' ज्यादा पसंद की जा रही है। ऐसे में अंडर-आई ब्लश एक परफेक्ट

ऑप्शन बनकर सामने आया है। विशेषज्ञों का कहना है कि सही तकनीक और हल्के हाथ से लगाया गया ब्लश आपको बिना ज्यादा मेहनत के ग्लोइंग लुक दे सकता है। वहीं सबसे खास बात है कि यह बिना ज्यादा प्रोडक्ट के चेहरे को ब्राइट और लिफ्टेड दिखाता है। खासकर कैमरे लुक के लिए।

प्राकृतिक प्रभाव

अंडर-आई ब्लश चेहरे को विजुअली लिफ्ट करता है। जब ब्लश को ऊपर की ओर लगाया जाता है, तो ध्यान आंखों की तरफ जाता है। बढ़ती उम्र की महिलाओं के लिए यह बेस्ट है। यह त्वचा में गरमाहट जोड़ता है और आंखों को ब्राइट दिखाता है। साथ ही यह नेचुरल ब्लड फ्लो जैसा इफेक्ट देता है, जिससे चेहरा ऊर्जावान लगता है।

अप्लाई करने के लिए

सबसे पहले हल्का बेस और जरूरत हो तो कंसीलर लगाएं। इसके बाद क्रीम या लिक्विड ब्लश का छोटा सा डॉट चीकबोन के ऊपरी हिस्से पर लगाएं। अब हल्के हाथों से ऊपर और बाहर की दिशा में ब्लेंड करें। इसे बेहतर बनाने के लिए है, तो मेकअप को मिनिमल रखें।

ज्यादा प्रोडक्ट नहीं

ब्यूटी एंड मेकअप आर्टिस्ट दीपिका साहा बताती हैं, अंडर आई ब्लश लगाते समय कुछ सावधानियां जरूर बरतें। अगर त्वचा पर डार्क सर्कल या झाइयां हैं तो हल्का कंसीलर लगाएं। फिर क्रीम या

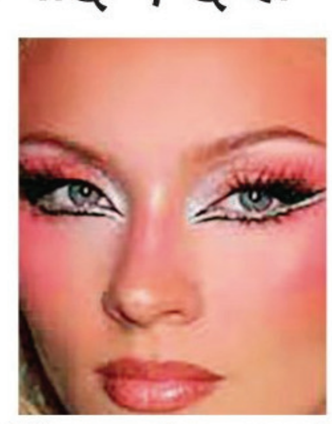

लिक्विड ब्लश चुनें, पाउडर न लगाएं, वह ओवर दिख सकता है। छोटे डॉट लगाकर ऊपर और बाहर की ओर ब्लेंड करें, सीधे डार्क सर्कल पर न लगाएं। ज्यादा प्रोडक्ट लगाने से बचें। हल्का और नेचुरल रंग चुनें, जो आपकी स्किन टोन से मेल खाता हो। अंत में नेचुरल लाइट में चेक कर लें।

एनीमिक महिलाओं की समय पर पहचान एवं उपचार करें सुनिश्चित : मंत्री लक्ष्मी

0 प्रतिदिन आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण का निर्देश
0 मंत्री श्रीमती रजवाड़े ने की महिला बाल विकास के योजनाओं की समीक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। मंगलवार को महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े ने यहां महिला एवं बाल विकास विभाग तथा समाज कल्याण विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति का आकलन किया। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, जिपं सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले सहित दोनों विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में मंत्री ने विभाग की स्थापना संबंधी जानकारी लेते हुए सभी परियोजनाओं में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों की अधोसंरचना की समीक्षा करते हुए भवनविहीन, किराए के भवनों में संचालित, मरम्मत योग्य, निष्प्रयोज्य योग्य जर्जर भवनों की जानकारी ली तथा निर्माणाधीन भवनों की प्रगति एवं भवन मरम्मत के लिए जारी राशि के व्यय की समीक्षा करते हुए सभी मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने मीठा शक्ति आहार, नमकीन दलिया निर्माण, रेडी-टू-ईट खाद्य सामग्री के वितरण तथा उसकी गुणवत्ता की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नियमित रूप से फील्ड निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिले को कुपोषण एवं एनीमिया मुक्त बनाने का प्राप्त करें लक्ष्य

आंगनबाड़ी केंद्रों के उन्नयन, पोषण ट्रैकर में नियमित प्रविष्टि तथा बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ कार्य कर जिले को कुपोषण एवं एनीमिया मुक्त बनाने का लक्ष्य प्राप्त करें। उन्होंने कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत कुपोषित बच्चों एवं एनीमिक महिलाओं को लाभान्वित करने की प्रगति, लक्षित हितग्राहियों के पर्यवेक्षण तथा चयनित स्व-सहायता समूहों की भूमिका की समीक्षा की। कुपोषण की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने तथा एनीमिक महिलाओं की समय पर पहचान एवं उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर तथा नवा बिहान योजना की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। मंत्री ने सभी परियोजनाओं में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

बाल विवाह रोकने अपनाएं प्रभावी रणनीति

मंत्री श्रीमती रजवाड़े ने जिले में बाल विवाह रोकने के लिए प्रभावी रणनीति अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरपंचों एवं सचिवों को विशेष प्रशिक्षण देकर विवाह तय होने की प्रारंभिक अवस्था में ही बाल विवाह रोकने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही किशोर-किशोरियों को कम उम्र में विवाह के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाए।

मुनगा पौधा रोपित करने एवं पोषण वाटिका विकसित करने पर जोर

मंत्री ने प्रत्येक घर में मुनगा का पौधा लगाने तथा प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में मुनगा, हरी सब्जियों एवं पोषण वाटिका विकसित करने पर बल देते हुए कहा कि मुनगा की पौष्टिकता का उपयोग कर कुपोषण को प्रभावी ढंग से दूर किया जा सकता है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छता बनाए रखने, शौचालयों की नियमित सफाई, बच्चों को स्वच्छ वस्त्र पहनाने तथा अभिभावकों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए।

व्यवस्थाओं में सुधार हेतु जमीनी तंत्र की सक्रियता आवश्यक

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े ने कहा कि व्यवस्थाओं में सुधार के लिए जमीनी स्तर तक तंत्र को पूर्ण रूप से सक्रिय करना बेहद आवश्यक है। अधिकारी एवं कर्मचारी नियमित रूप से फील्ड में उतरकर कार्य करेंगे, तभी कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याओं का प्रभावी समाधान संभव होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक अधिकारी प्रतिदिन कम से कम पांच आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करें तथा यह सुनिश्चित करें कि सभी केंद्र नियमित रूप से संचालित हों, वहां पोषण वाटिका विकसित हो और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जा रहा हो। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों का उद्देश्य बच्चों का समग्र विकास और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करना है। बच्चों का पालन-पोषण अपने बच्चों की तरह करते हुए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन ही कुपोषण एवं एनीमिया मुक्त सूरजपुर के निर्माण का आधार बनेगा, जिससे मजबूत और स्वस्थ परिवारों का निर्माण होगा।

समय पर पहुंचाए हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ

समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने सामाजिक सहायता कार्यक्रम, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, सुखद सहारा योजना, दिव्यांग पेंशन योजना, पेंशन हितग्राहियों के भौतिक सत्यापन, दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण, दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना एवं दिव्यांग छात्रवृत्ति योजना सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए।

तीन दिन की मूसलाधार बारिश से उफान पर नदी नाले, कई मार्ग हुए जलमग्न

0 रसोकी, लूल्ह, तेलाईपाठ, भूंडा समेत कई गांवों का टूटा संपर्क
0 उफनती बरगा नदी को कंधे पर बाइक रखकर पार कर रहे ग्रामीण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिहारपुर। सूरजपुर जिले के दूरस्थ चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र में लगातार तीन दिनों से हो रही भारी बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। लगातार वर्षा के कारण बरगा नदी सहित क्षेत्र के सभी छोटे-बड़े नदी-नाले उफान पर हैं। कई मार्ग जलमग्न हो गए हैं, जबकि कच्ची सड़कें दलदल में तब्दील हो चुकी हैं। इसका सबसे अधिक असर रसोकी, लूल्ह, तेलाईपाठ, भूंडा तथा आसपास के गांवों पर पड़ा है, जिनका मुख्यालय से संपर्क लगभग टूट गया है।

बारिश के बीच सबसे चिंताजनक तस्वीर बरगा नदी से सामने आई है, जहां ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर उफनती नदी को पार करने को मजबूर हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कई ग्रामीण मोटरसाइकिल को कंधे पर उठाकर तेज बहाव वाली नदी पार करते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मजबूरी में ऐसा करना पड़ रहा है, क्योंकि गांव तक पहुंचने का दूसरा कोई सुरक्षित रास्ता नहीं है।

हर बरसात यही हाल

ग्रामीणों के अनुसार बिहारपुर से रसोकी जाने वाले मार्ग पर उमझर के आगे आज भी पक्की सड़क नहीं बनी है। बरगा नदी पर पुल-पुलिया का निर्माण नहीं होने के कारण हर वर्ष बरसात आते ही यही स्थिति बन जाती है। कुछ दिनों की तेज बारिश पूरे क्षेत्र को बाकी दुनिया से अलग कर देती है। मरीजों को अस्पताल पहुंचाना, बच्चों का स्कूल जाना और किसानों का बाजार तक पहुंचना लगभग असंभव हो जाता है।

वर्षों से मांग पर नहीं मिला समाधान

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार छत्तीसगढ़ शासन, जिला प्रशासन, स्थानीय विधायक, सांसद और संबंधित जनप्रतिनिधियों से बरगा नदी

पर पुल तथा बिहारपुर रसोकी मार्ग के पक्कीकरण की मांग की है। जनदर्शन, ग्राम सभाओं और विभिन्न ज्ञापनों के माध्यम से भी समस्या उठाई गई, लेकिन आज तक स्थायी समाधान नहीं हो पाया। परिणामस्वरूप हर मानसून में हजारों ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ता है।

कीचड़ में तब्दील सड़कें, गांव बने टापू

लगातार बारिश से कच्चे मार्ग पूरी तरह कीचड़ में बदल गए हैं। कई स्थानों पर सड़कें बह गई हैं, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। कई गांव टापू जैसी स्थिति में पहुंच गए हैं। ग्रामीणों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रशासन की सक्रियता से राशन की नहीं है समस्या

ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासन द्वारा उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से चार माह का राशन पहले ही वितरित कर दिया गया था। इसलिए खाद्यान्न का तत्काल संकट नहीं है, लेकिन स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, कृषि कार्य और आपातकालीन सेवाएं पूरी तरह प्रभावित हो रही हैं।

कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

उफनती नदी में जिस तरह लोग मोटरसाइकिल लेकर आवागमन कर रहे हैं, उसे देखकर ग्रामीणों में भी हादसे की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते पुल-पुलिया का निर्माण नहीं कराया गया तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने शासन और जिला प्रशासन से मांग की है कि बरगा नदी पर शीघ्र पुल का निर्माण कराया जाए, बिहारपुर-रसोकी मार्ग का पक्कीकरण किया जाए तथा बारिश के दौरान वैकल्पिक आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि हर वर्ष लोगों को अपनी जान जोखिम में डालकर नदी पार ना करना पड़े।

मूल शालाओं में लौटे वर्षों से संलग्न शिक्षक व लिपिक, पहले 127 और अब 92 का संलग्नीकरण समाप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। वर्षों से जिले के विभिन्न कार्यालयों में संलग्न स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन की खबर का असर

एवं कर्मचारियों के मामले में आखिरकार व्यापक प्रशासनिक कार्रवाई सामने आई है। पहले 127 शिक्षकों एवं लिपिकों का संलग्नीकरण समाप्त किए जाने के बाद छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन समाचार पत्र ने अपने 18 जुलाई के अंक में प्रमुखता से यह सवाल उठाया था कि यदि शासन के निर्देश सभी कर्मचारियों पर समान रूप से लागू हैं, तो मंत्री व जनप्रतिनिधियों के कार्यालयों तथा अन्य महत्वपूर्ण शाखाओं में वर्षों से संलग्न कर्मचारियों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है। इसके बाद जिला प्रशासन ने पूरे मामले की समीक्षा कराई।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन | छत्तीसगढ़
विभिन्न विभागों में सेवा दे रहे 127 लौटे स्कूल, 'पावर अटैचमेंट' पर खामोशी

परिणामस्वरूप जिला शिक्षा अधिकारी ने 20 जुलाई को आदेश जारी करते हुए 92 अन्य कर्मचारियों का भी संलग्नीकरण तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया। इसके साथ ही जिले में अब तक कुल 219 कर्मचारियों को उनकी मूल पदस्थापना पर वापस भेजा जा चुका है। नवीन आदेश के तहत मंत्री, मंडल संयोजक, जिलाधीश एवं निर्वाचन शाखा, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय सहित छात्रावास, आश्रम तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यालयों में वर्षों से संलग्न शिक्षकों एवं कर्मचारियों को भी कार्यमुक्त कर उनकी मूल संस्थाओं में भेजने के निर्देश दिए गए हैं। इस कार्रवाई को अब तक की सबसे व्यापक संलग्नीकरण समाप्ति की कार्रवाई माना जा रहा है। साक्ष्य के आधार पर यह मुद्दा छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन समाचार पत्र में प्रमुखता से प्रकाशित किया कि यदि नियम सभी के लिए समान हैं तो प्रभावशाली कार्यालयों में वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों पर भी समान कार्रवाई होनी चाहिए। अब जारी 92 नामों की नई सूची से स्पष्ट है कि प्रशासन ने कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए शेष मामलों पर भी निर्णय लिया है। जारी आदेश में डीईओ द्वारा स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि सूची में शामिल कर्मचारियों के अतिरिक्त यदि कोई भी अधिकारी अथवा कर्मचारी अपनी मूल संस्था से हटकर किसी अन्य कार्यालय अथवा संस्था में कार्यरत पाया जाता है, तो उसे भी इस आदेश के तहत स्वतः कार्यमुक्त माना जाएगा तथा तत्काल अपनी मूल पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण करना होगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

प्रोफार्मा 10-01

सार्वजनिक अधिसूचना

रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर 2x25000 बोल्ट, 50 हर्टज एसी सिन्गल फेज शिरोपरी कर्षण तारों को खण्ड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या बाद में उर्जित किया जायेगा। उस तारीख पर और उस तारीख से शिरोपरी कर्षण लाईन को सब समय विद्युन्मय माना जायेगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति उस शिरोपरी लाईन की सामीप्यता में दाखिला होने या काम करने नहीं जायेगा।

कार्य की विवरण, खण्ड/स्टेशन	मण्डल	तारीख
विद्युत निर्माण विभाग	बिलासपुर द.पू.म. रेलवे	23.07.2026

(बिलासपुर) द्वारा सूरजपुर एस. एस. पी. का दोहरीकरण कार्य हेतु रेलवे प्रोजेक्ट में डबल लाइन के बैकुंठपुर रोड स्टेशन CH 967.055) से बैकुंठपुर रोड स्टेशन (CH 1006.44) (KM-39.385) तक छत्तीसगढ़ स्टेट में सिंगल ब्रॉड गेज के बगल में दूसरा लाइन के कार्य हेतु 2 x 25 केवी, सिंगल फेज एसी, 50 हर्जं, ट्रैक्शन ओएचई की शुरूआत के लिए सार्वजनिक अधिसूचना"।
दिनांक 16.07.2026

प्रोफार्मा 10-02

एसी 2x25 केवी कर्षण को चालू करना
"सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए चेतावनी"

जन साधारण की सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है कि द. पू. मध्य रेल्वे, बिलासपुर मण्डल के अर्तगत विद्युत निर्माण विभाग (बिलासपुर) द्वारा सूरजपुर एस.एस.पी का दोहरीकरण कार्य हेतु रेलवे प्रोजेक्ट में डबल लाइन के बैकुंठपुर रोड स्टेशन CH 967.055) से बैकुंठपुर रोड स्टेशन (CH 1006.44) (KM-39.385) तक छत्तीसगढ़ स्टेट में सिंगल ब्रॉड गेज के बगल में दूसरा लाइन के कार्य हेतु 2 × 25 केवी, सिंगल फेज एसी, 50 हर्ट्ज, ट्रैक्शन ओएचई की शुरूआत के लिए सार्वजनिक अधिसूचना सभी समपारों पर सड़क सतह से 4.78 मी. की स्पष्ट ऊँचाई, पर ऊँचाई गेजें लगाई है ताकि बहुत अधिक ऊँचाई वाले लोड को विद्युन्मय कर्षण तार की खतरनाक सन्निकटता या सम्पर्क में आने से रोका जा सके।
जन साधारण को एतद् द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वाहनों के लदान के प्रयोजन के लिए उक्त विनिर्दिष्ट ऊँचाई का पालन करें और यह देखें कि सडक वाहन में ढोये जा रहे लोड से किसी भी स्थिति में ऊँचाई गेजों का अतिलंघन न करें।
अत्यधिक ऊँचाई के लोड के खतरा निम्नानुसार है:-
i) ऊँचाई गेज के लिए खतरा और उसके फलस्वरुप सड़क और रेल्वे लाइन पर बाधा।
ii) वाहन पर ले जाये जा रही सामग्रियों या उपस्कर को खतरा।
iii) चालकों की खतरनाक सामीप्यता या संपर्क के कारण आग का खतरा और जीवन की हानि का खतरा।
दिनांक: 16.07.2026.

सीपीआर/10/300 उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण)/मुख्यालय
South East Central Railway @secrail

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)

रा०प्र०क्र०/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक मुकेश अग्रवाल आ० ओम प्रकाश अग्रवाल, निवासी मेन रोड़ राजपुर, जिला बलरामपुर, छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-09 मोहल्ला बाबूपारा, अम्बिकापर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/341, 3469/2 रकबा 37120, 3200 वर्गफीट भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार तलघर- पार्किंग 1206.70 वर्गमीटर, भू-तल पर रकबा 1206.70 वर्गमीटर, प्रथम तल पर रकबा 1206.70 वर्गमीटर, द्वितीय तल पर 1206.70 वर्गमीटर, तृतीय तल पर रकबा 1206.70 वर्गमीटर, चतुर्थ तल पर रकबा 689.63 वर्गमीटर पर व्यावसायिक /नर्सिंग भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के समक्ष प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 31/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांक 17/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

टाइगर रिजर्व में लकड़ी तस्करों का राज, चेकपोस्ट के रास्ते बाइक से हो रहा अवैध परिवहन

0 बरसात शुरू होते बढ़ी सक्रियता, सौ से अधिक लोगों का सिंडिकेट सक्रिय
0 वन विभाग की खामोशी पर उठ रहे गंभीर सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व, जिसे प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण वन्यजीव परियोजनाओं में शामिल किया गया है, आज लकड़ी तस्करों के लिए सबसे सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है। बरसात शुरू होते ही महुली परिक्षेत्र के घने जंगलों में एक बार फिर लकड़ी तस्करों की गतिविधियां तेज हो गई हैं। हालात ऐसे हैं कि अवैध कटाई रोकने के लिए स्थापित मकरादुआरी चेकपोस्ट के रास्ते ही तस्कर बेखौफ होकर बाइक में साल और बीजा की सिल्ली लादकर मध्यप्रदेश के सिंगरौली और उत्तरप्रदेश तक पहुंचा रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि लंबे समय से चल रहे इस अवैध कारोबार की जानकारी वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे तस्करों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि गुरु घासीदास नेशनल पार्क को टाइगर रिजर्व घोषित किए जाने के बाद उम्मीद थी कि जंगलों में अवैध कटाई पर पूरी तरह रोक लगेगी और वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास सुरक्षित रहेगा। लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट दिखाई दे रही है। जंगलों में दिन-रात पेड़ों की कटाई जारी है और तैयार की गई लकड़ी खुलेआम चेकपोस्ट पार कर बाहर भेजी जा रही है।

संगठित सिंडिकेट चला रहा करोड़ों का अवैध कारोबार

स्थानीय लोगों के अनुसार लकड़ी तस्करी अब छोटे स्तर का अपराध नहीं, बल्कि संगठित सिंडिकेट का रूप ले चुकी है। इसमें 100 से अधिक स्थानीय युवक, ग्रामीण, बिचौलिए और बाहरी तस्कर शामिल हैं। जंगल के भीतर रहने वाले कुछ लोग पहले साल और बीजा के पेड़ों की कटाई करते हैं। इसके बाद वहीं कुल्हाड़ी और टांगी से 3 इंच मोटी, 9 इंच चौड़ी और लगभग 7 फीट लंबी सिल्ली और चौखट तैयार की जाती है। फिर बिचौलिए इन्हें जंगल के भीतर से मुख्य मार्ग तक पहुंचाते हैं, जहां पहले से मौजूद बाइक सवार तस्कर लकड़ी लादकर मकरादुआरी चेकपोस्ट के रास्ते सिंगरौली की ओर निकल जाते हैं।
बताया जाता है कि तस्करों के आगे और पीछे अलग-अलग बाइक सवार चलते हैं, जो रास्ते में वन विभाग, पुलिस या अन्य वाहनों की गतिविधियों पर नजर रखते हैं। किसी प्रकार का खतरा दिखाई देने पर तुरंत सूचना देकर पूरा नेटवर्क सतर्क हो जाता है।

हर खेप में 14 हजार रुपये तक का मुनाफा

ग्रामीणों के मुताबिक एक बाइक में ले जाई जाने वाली लकड़ी की एक खेप से करीब 14 हजार रुपये तक की कमाई हो जाती है। यही वजह है कि सीमावर्ती क्षेत्रों के कई युवक इस धंधे में शामिल हो चुके हैं। लकड़ी की मांग बढ़ने के साथ यह कारोबार लगातार फैलता जा रहा है। जानकारी के अनुसार कोल्हुआ, महुली, खोहिर, बैजनपाट, लुल्ह, मुंडा, रामगढ़, उमझर और रसौकी के जंगलों में सबसे अधिक अवैध कटाई की जा रही है। यहां तैयार की गई लकड़ी को बैजनपाट, मकरादुआरी, धारीमुड़ी, खैरा रोड और बलंगी चौपटा घाट के रास्ते मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश तक पहुंचाया जा रहा है।

चेकपोस्ट की भूमिका पर सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि मकरादुआरी चेकपोस्ट पर वर्षों से एक ही प्रभारी और चौकीदार की तैनाती होने के कारण तस्करों से उनकी सांठगांठ बन गई है। यही कारण है कि लकड़ी से लदी बाइकें बिना किसी रोक-टोक के बैरियर पार कर जाती हैं। लगातार सामने आ रही घटनाओं ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तेजी से उजड़ रहे जंगल, वन्यजीवों पर बढ़ा खतरा

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते अवैध कटाई पर रोक नहीं लगी तो टाइगर रिजर्व के जंगल तेजी से खत्म होंगे। इससे बाघ, तेंदुआ, भालू, हाथी समेत अन्य वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास पर गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। लगातार जंगलों के सिकुड़ने से मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं भी बढ़ने की आशंका है।

बदले जाएं चेकपोस्ट के कर्मचारी, चले विशेष अभियान

ग्रामीणों ने मांग की है कि मकरादुआरी चेकपोस्ट पर लंबे समय से पदस्थ कर्मचारियों का तत्काल तबादला किया जाए। साथ ही वन विभाग, पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम बनाकर नियमित गश्त, रात्रि अभियान और सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया जाए ताकि लकड़ी तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

अधीक्षक ने दिए जांच के निर्देश

गुरु घासीदास टाइगर रिजर्व के अधीक्षक सौरभ सिंह ठाकुर ने कहा कि अवैध लकड़ी तस्करी की सूचना मिली है। पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। यदि जांच में किसी अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता सामने आती है तो उनके विरुद्ध सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

पर्यटन मंत्री ने बजाई विद्यालय की घंटी, बच्चों को कराया शाला प्रवेश

तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर पाठ्यपुस्तकें, गणवेश, अध्ययन सामग्री, छात्राओं को साइकिल वितरण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। समग्र शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 अंतर्गत जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन मंगलवार को अंबिकापुर के पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम में उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयं घण्टी बजाकर नवप्रवेशी बच्चों को शाला प्रवेश करवाया। इस दौरान नवप्रवेशी बच्चों का स्वागत तिलक लगाकर, पुष्पमाला पहनाकर, मिठाई खिलाकर किया गया। कार्यक्रम में जिले के शिक्षा दूत पुरस्कार 2025-26 प्राप्त करने वाले 21 एवं ज्ञान दीप पुरस्कार 2025-26 प्राप्त करने वाले 03 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। शिक्षकों को शॉल, श्रीफल भेंट कर अतिथियों द्वारा बधाई दी गई।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि बच्चों के बीच उपस्थित होकर और उनको तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर, हम अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। यह हमारे बच्चों के सपनों, उनके उज्ज्वल भविष्य और शिक्षा का उत्सव है। शिक्षा ही वह माध्यम है जो समाज में कौशल, आत्मविश्वास और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है। शासन विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रयासरत है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, कोई बच्चा ड्रॉपआउट ना रहे। शिक्षा ही आज के समय में सफलता का मूल मंत्र है, इसके लिए हम सबको मिलकर काम करना होगा। सरगुजा जैसे जनजाति बाहुल्य जिले में शिक्षा का महत्व और भी अधिक है, यहां पहाड़ी कोरवा समुदाय के जनजाति बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। हमारा उद्देश्य केवल बच्चों का नामांकन कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक बच्चा नियमित रूप से विद्यालय आए, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करे और अपने सपनों को साकार करे। उन्होंने बच्चों को कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई का स्थान नहीं, बल्कि आपके व्यक्तित्व निर्माण की पाठशाला है। मन लगाकर पढ़ें, अपने माता-पिता, गुरुजनों और अपने जिले तथा प्रदेश का नाम रोशन करें। पालकों से आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि वे बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें और बालक-बालिका दोनों को समान अवसर प्रदान करें। आइए हम सभी यह संकल्प लें कि सरगुजा जिले का कोई भी बच्चा विद्यालय से बाहर नहीं रहेगा, हम सब मिलकर शत-प्रतिशत नामांकन और नियमित उपस्थिति के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। उन्होंने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की बधाई दी।

छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने बच्चों को शिक्षा की ओर प्रेरित किया और उन्हें अच्छे से पढ़ाई करने की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने कहा कि इस प्रवेश उत्सव के माध्यम से हम नन्हें बच्चों में शाला जाने से पहले जो भय होता है, उसे भी दूर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा स्कूलों में बेहतर शिक्षा सुविधा देने का कार्य किया जा रहा है। भारत सिंह सिसोदिया ने शिक्षकों से बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देने की अपील की। शाला प्रवेशोत्सव के अवसर पर अतिथियों द्वारा कक्षा पहली, छठवीं एवं नवमी में प्रवेश लेने वाले नवप्रवेशी बच्चों को गणवेश, पाठ्यपुस्तकें, कॉपियां, बैग, अध्ययन सामग्री सहित जरूरी शैक्षणिक सामग्री वितरित किए गए। उल्लास नवसाक्षर कार्यक्रम में समय सीमा में उल्लास सर्वे का कार्य पूरा करने वाले वॉलेंटियर को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 'उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम' की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में महापौर मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, नगर निगम के सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, पार्षदगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि, संयुक्त संचालक संजय गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी दिनेश झा, डीएमसी सर्वजीत पाठक सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

नींव मजबूत होगा तभी भविष्य अच्छा होगा

कलेक्टर अजीत वसंत ने बताया कि जिले में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य किए जा रहे हैं। भवन विहीन विद्यालयों में भवन की स्वीकृति दी गई है, बच्चों का जाति प्रमाणपत्र बनवाया गया है, पीवीटीजी बच्चों को अगली कक्षा में प्रवेश दिलाया गया है, मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए बच्चों को रायपुर में प्राइवेट कोचिंग संस्थानों में प्रवेश दिलाया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में शिक्षकों की कमी नहीं है, इस हेतु अतिथि व्याख्याता की नियुक्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रायमरी विद्यालय के शिक्षक एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं, शिक्षक इन बच्चों पर अधिक से अधिक ध्यान दें, यह उनके भविष्य की नींव है, जब नींव मजबूत होगा तभी भविष्य अच्छा होगा। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सब मिलकर शासकीय विद्यालयों का माहौल और बेहतर बनाएंगे, यही हमारा प्रयास रहेगा। जिला प्रशासन शिक्षा विभाग के साथ मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कार्य करेगा। कार्यक्रम स्कूली बच्चों के द्वारा बनाई गई 'दीवार पत्रिका' का विमोचन किया गया।

छात्राओं को साइकिल वितरण

आयोजित शाला प्रवेश उत्सव में मंत्री राजेश अग्रवाल ने शासन की साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत पात्र 21 छात्राओं को साइकिल वितरित कर उन्हें बधाई एवं उज्ज्वल शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि साइकिल वितरण जैसी योजनाएं बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह योजना छात्राओं की शिक्षा को बढ़ावा देने तथा विद्यालय तक उनकी सुगम पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

सेवानिवृत्त शिक्षकों, कर्मचारियों का सम्मान

कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान उनके उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई। इस दौरान प्राचार्य स्नेहलता सिन्हा, प्राचार्य जयप्रकाश दुबे, प्रधान पाठक शुभाशीष मुखर्जी, प्रधान पाठक माया सिन्हा एवं भृत्य तसउवर हुसैन सम्मानित हुए।

गांधीनगर थाना के पीछे अवैध शराब बिक्री से परेशान बस्तीवासी

रात 12-1 बजे तक हंगामा-गाली गलौज से मोहल्ले के लोगों का जीना मुहाल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर पुलिस थाना के पीछे स्थित घसियापारा बस्ती में अवैध शराब बिक्री और शराबियों के उत्पात से स्थानीय लोग परेशान हो गए हैं। बस्तीवासियों ने सरगुजा कलेक्टर के जनदर्शन में लिखित शिकायत देकर अवैध कारोबार बंद कराने की मांग की है।

कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा के साथ पहुंची सुधा तिवारी, दुर्गावती गुप्ता, शिल्पी, बिसुलता पटेल, बबीता गुप्ता, सोना, रामकुमारी, सामबाई, इन्द्रपति, प्रतिमा, शांति सहित अन्य ने बताया कि बस्ती के कुछ घरों में अवैध रूप से शराब बेचा जा रहा है। बेचने वाले चिन्हित और प्रसिद्ध हैं, जिन्हें सभी लोग जानते हैं। बस्ती में एक तालाब है जिसके मेड़ पर शराबी खुलेआम बैठकर शराब पीते हैं। रात 12-1 बजे तक हल्ला-गुल्ला, गाली-गलौज और झगड़ा आम बात है। बताया गया है कि, आसपास के विभिन्न मोहल्लों से लोग यहां शराब पीने आते हैं, जिससे आसपास के सभ्रांत लोगों का जीना दूभर हो गया है। भय के कारण सभ्रांत लोग इसका विरोध नहीं कर पा रहे।

बस्तीवासियों ने कहा कि सिर्फ पेट्रोलिंग से इसमें सुधार हो पाना संभव नहीं है। मांग की गई है कि, अवैध शराब बेचने वाले चिन्हित हैं, ऐसे में पहले इन्हें थाने में तलब करके कड़ी समझाइश दी जाए। पहले भी पुलिस मित्रों के माध्यम से रोक लगाने में मदद मिली थी, इसलिए पुलिस मित्रों को फिर से संरक्षण देकर इनका सहयोग लिया जाए। मोहल्लेवासियों ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि अवैध कृत्य बंद कराया जाए ताकि लोग अमन-चैन से रह सकें। इसकी प्रतिलिपि आईजी सरगुजा रेंज, एसएसपी सरगुजा व थाना प्रभारी गांधीनगर को भी दी गई है।

ड्रंक एंड ड्राइव के मामले में 3 वाहन चालकों पर 30 हजार जुर्माना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देश पर यातायात शाखा और थाना बतौली पुलिस ने ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। चेकिंग के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले 3 चालकों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन्हें कुल 30 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया।

पहला मामला यातायात शाखा का है। चेकिंग के दौरान स्कार्पियो वाहन क्रमांक सीजी 29 ए 6290 का चालक छत्रपति अजमले पिता कृष्ण कुमार 37 वर्ष, निवासी शांतिनगर अजिरमा शराब के नशे में धुत्त पाया गया। दूसरे और तीसरे मामले में थाना बतौली पुलिस ने खड़धोवा रोड में वाहन चेकिंग के दौरान पल्सर सोल्ड मोटरसायकल के चालक समीर मिंज पिता कन्हैया मिंज 19 वर्ष, निवासी कछारडीह को शराब के नशे में पाया। वहीं एक अन्य मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 सीएस 5755 का चालक अमलेश मिंज पिता बुधराम मिंज 18 वर्ष, निवासी कछारडीह थाना बतौली की भी डॉक्टरी जांच में शराब पीने की पुष्टि हुई। तीनों के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने प्रत्येक चालक पर 10-10 हजार रुपये अर्थदंड लगाया। कार्रवाई में थाना प्रभारी बतौली निरीक्षक विवेक सेंगर, यातायात शाखा प्रभारी उप निरीक्षक विजय कैवर्त एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी सक्रिय रहे। पुलिस ने आम जनता से शराब पीकर वाहन नहीं चलाने की अपील की है।

कीटनाशक का सेवन किए बीमार वृद्ध की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बीमार वृद्ध ने कीटनाशक का सेवन कर लिया, इलाज के दौरा उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया, सूरजपुर जिला के ग्राम लांची का उदय सिंह 70 वर्ष, लम्बे समय से बीमारी से पीड़ित था, स्वजन उसका इलाज करा रहे थे। करीब दो सप्ताह पहले वृद्ध फांसी लगाने की कोशिश की भी किया था, लेकिन स्वजन की नजर समय रहते पड़ गई, और वे समझाइश देकर इलाज में स्वास्थ्य ठीक हो जाने के लिये आश्वस्त किये थे। 17 जुलाई की सुबह वृद्ध कीटनाशक का सेवन कर लिया। इसकी जानकारी मिलने पर स्वजन उसे सूरजपुर जिला अस्पताल ले गये, यहां से रिफर करने पर मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में सरगुजा कांग्रेस ने किया उग्र प्रदर्शन

प्रधानमंत्री का पुतला दहन, शिक्षा मंत्री और गृहमंत्री से इस्तीफे की मांग

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नीट सहित देशभर में 152 परीक्षाओं के पेपर लीक और प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बर्बर लाठीचार्ज के विरोध में मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई ने संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया।

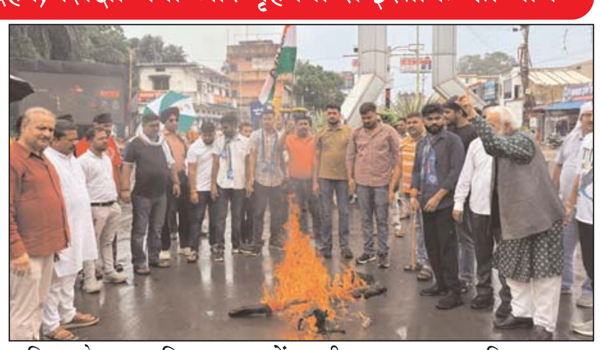

प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर घड़ी चौक पर भारी बारिश के बीच हुए प्रदर्शन में वक्ताओं ने सरकार पर असंवेदनशीलता का आरोप लगाया। जिला कांग्रेस के महामंत्री और युवा कांग्रेस व एनएसयूआई के प्रभारी आलोक सिंह ने प्रधानमंत्री को 'डरपोक' करार दिया और कहा कि अपनी मांग लेकर संसद आ रहे छात्रों से मिलने के बजाय प्रधानमंत्री भाग खड़े हुए।

उन्होंने कहा कि संघ के गुंडों ने पुलिस के साथ मिलकर छात्रों को पीटा और लहूलुहान किया। नीट लीक के बाद 21 छात्रों के आत्महत्या करने का जिक्र करते हुए आलोक सिंह ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और गृहमंत्री अमित शाह से इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, शफी अहमद, राकेश गुप्ता, हेमंत सिन्हा, इंदरजीत सिंह धंजल, संजीव मंदिलवार, मदन जायसवाल, अशफाक अलि, संजय सिंह, जीवन यादव, अमित कुमार सिंह, रिंकु, सोहन जायसवाल, अविनाश कुमार, शुभम जायसवाल, प्रतिपाल सिंह लक्की, मोन्टी, तीरथ चौधरी, परवेज आलम गांधी, लखन मरावी, अतुल यादव, आलेख ठाकुर, अनमोल, राधे अग्रवाल, अंकित जायसवाल, राहुल सोनी, अभिषेक सोनी, लोलर सिंह, आयुष, अंकित, प्रिंस कुजूर, प्रियंका, प्रतिमा, प्रिया दास, टोनी, विकास दुबे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

डेढ़ दशक से जर्जर है डिगमा-सरगवां रोड, ग्रामीणों ने दी चक्काजाम की चेतावनी

साईं बाबा कॉलेज के पास विरोध प्रदर्शन 24 को, एनएच-43 भी हो सकता है बाधित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बनारस रोड से प्रतापपुर रोड को जोड़ने वाली डिगमा-सरगवां सड़क पिछले डेढ़ दशक से जर्जर पड़ी है। सड़क की बदहाली से परेशान होकर ग्राम डिगमा-सरगवां के ग्रामीणों ने प्रशासन को चक्का जाम और सांकेतिक धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी है। इस रास्ते में निजी स्कूल-कॉलेज, शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के अलावा एफसीआई का चावल गोदाम है। मार्ग से भारी वाहनों का आना-जाना होता है, जिस कारण सड़क लगातार क्षतिग्रस्त हो रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता सुजान बिंद, बंग समाज कल्याण समिति के पदाधिकारियों और सरपंच प्रीति सिंह, पार्षद सुषांत घोष सहित अन्य ने हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन पत्र अनुविभागीय दंडाधिकारी अंबिकापुर को सौंपा है, और बताया है कि इस बदहाल मार्ग से रोजाना भारी वाहनों का आवागमन होता है, जिस कारण हादसे का भय बने रहता है।

गर्भवती, वृद्ध और स्कूली बच्चों को परेशानी

ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे होने से दुर्घटनाएं आम बात हो गई हैं। गर्भवती महिलाओं, वृद्धों, महिलाओं और स्कूल जाने वाले बच्चों को इस जर्जर सड़क पर चलने में भारी कठिनाई हो रही है। कई बार शिकायत के बाद भी प्रशासन ने सुध नहीं ली। ऐसे में बाध्य होकर ग्रामीणों ने निर्णय लिया है कि, यदि शीघ्र निर्माण नहीं हुआ तो गुरुवार 24 जुलाई को सुबह 11 बजे से बनारस रोड में साईं बाबा कॉलेज के पास धरना प्रदर्शन और चक्का जाम किया जाएगा। प्रदर्शन के बाद कलेक्टर सरगुजा के माध्यम से शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा। अब देखना होगा कि प्रशासन ग्रामीणों के आंदोलन से पहले सड़क की सुध लेता है या फिर शहर की मुख्य सड़क को जाम झेलना पड़ेगा।

अंबिकापुर-दिल्ली ट्रेन का द्वि-साप्ताहिक संचालन शुरू नहीं

रेलवे बोर्ड की स्वीकृति के बाद भी तिथि घोषित नहीं होने से यात्रियों में निराशा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंबिकापुर-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 22407/22408 को साप्ताहिक से बढ़ाकर द्वि-साप्ताहिक चलाने की रेलवे बोर्ड की स्वीकृति 19 जून 2026 को मिल चुकी है। इसके तहत ट्रेन को अंबिकापुर से मंगलवार और गुरुवार तथा हजरत निजामुद्दीन से रविवार और मंगलवार को चलना है। एक माह बीत जाने के बाद भी संचालन की तिथि घोषित न होने से यात्रियों में असमंजस है। क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति सदस्य मुकेश तिवारी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड अध्यक्ष सतीश कुमार को पत्र लिखकर शीघ्र संचालन शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इस ट्रेन की बढ़ी हुई आवृत्ति से सरगुजा संभाग, उत्तर छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्रों के लाखों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने रेल मंत्री से आग्रह किया है कि कोच, क्रू, इंजन लिंक और अन्य सभी आवश्यक तैयारियां शीघ्र पूरी कर द्वि-साप्ताहिक संचालन की तिथि तत्काल घोषित की जाए तथा नियमित संचालन जल्द शुरू कराया जाए। रेलवे बोर्ड की स्वीकृति के बाद भी संचालन में हो रहा अनावश्यक विलंब यात्रियों की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं है। इसलिए उन्होंने रेल मंत्री से व्यक्तिगत हस्तक्षेप कर इस स्वीकृति का शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने का आग्रह किया है।

जहरीले पदार्थ का सेवन किए युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शराब पीने के बाद युवक ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया, उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम परोसिया, नालापारा का अम्बिका प्रसाद पण्डो पिता स्व. उजित राम पण्डो सोमवार को सुबह करीब 10 बजे गांव की ओर घूमने निकला था।

शराब पीकर वापस आने के बाद वह अपनी पत्नी शांति को बताया कि, जहर खा लिया हूं। स्वजन उसे उदयपुर स्वास्थ्य केन्द्र ले गये, यहां से रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। युवक ने जहरीले पदार्थ का सेवन क्यों किया, कारण अस्पष्ट है।

शासकीय कन्या उ.मा.वि. में धूमधाम से मना शाला प्रवेश उत्सव

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर में मंगलवार को शाला प्रवेश उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री राजेश अग्रवाल ने नव प्रवेशी छात्राओं को तिलक लगाकर, लड्डू खिलाकर और माला पहनाकर स्वागत किया। प्राचार्य अपर्णा दुबे ने शाला प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए प्रयोगशाला कक्ष, दो अतिरिक्त कक्ष और कक्ष क्रमांक 23, 24, 25 के ऊपर प्रोफाइल सीट लगाने की मांग रखी। मंत्री महोदय ने इन कार्यों को यथाशीघ्र पूरा करने की घोषणा की। सभापति नगर निगम हरमिंदर सिंह टिन्नी ने कहा कि भारत के भविष्य को गढ़ने में छात्राओं की अहम भूमिका है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के संस्कारों पर ध्यान देने की अपील की। कार्यक्रम में सरस्वती साइकिल योजना के तहत छात्राओं को साइकिल वितरित की गईं। पार्षदों और एमआईसी सदस्यों ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम का संचालन सुनीता दास ने और आभार प्रदर्शन अभिमन्यु प्रसाद सिन्हा ने किया। इस अवसर पर दयाशंकर तिवारी, कविता बंसल, राजेश प्रताप सिंह, राधेश्याम यादव, मंसूर आलम सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

बैल के सींग में कैंसर के लक्षण पर एमवीयू की टीम ने किया ऑपरेशन

गांव में पहुंचकर की सर्जरी और हटाया प्रभावित सींग

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। एमसीबी जिले की 1962 मोबाइल वेटनरी यूनिट ने मानवता की मिसाल पेश की है। खड़गवां ब्लॉक के ग्राम पैनारी में एक बैल के सींग में कैंसर की आशंका थी और लगातार खून बह रहा था। एमवीयू टीम ने मौके पर पहुंचकर बैल की सफल सर्जरी कर दी और उसकी जान बचा ली।

20 जुलाई को पशुपालक कुमार सिंह ने 1962 पर सूचना दी कि उनके बैल के एक सींग में सूजन है और लगातार रक्तस्राव हो रहा है। हालत हर दिन गंभीर होती जा रही थी। सूचना मिलते ही एमवीयू खड़गवां-01 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। डॉ. विनोद सिंह और परावेट पंकज सेन ने बैल का परीक्षण किया। जांच में सींग में कैंसर की प्रबल आशंका मिली। पशु के हित को देखते हुए टीम ने मौके पर ही शल्य चिकित्सा करने का फैसला लिया, और सर्जरी करके कैंसर-संदिग्ध प्रभावित सींग को सफलतापूर्वक हटा दिया गया। ऑपरेशन के बाद बैल को एंटीबायोटिक, दर्द निवारक और मल्टीविटामिन इंजेक्शन दिए गए। टीम ने पशुपालक को घाव की नियमित ड्रेसिंग और देखभाल की पूरी जानकारी भी दी। सर्जरी में ड्राइवर कम अटेंडेंट रामकिशन का भी अहम सहयोग रहा। पशुपालक कुमार सिंह ने 1962 टीम के त्वरित रिस्पॉन्स और इलाज के लिए आभार जताया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर